कोटद्वार, रविवार
3 मार्च 2024
वर्ष: 45
अंक: 299 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

उत्तराखंड से तीन उम्मीदवारों के नामों का ऐलान

अजय भट्ट और टम्टा को उतारा मैदान में

देहरादून। भाजपा ने उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों में से तीन पर उम्मीदवार रिपीट कर दिए हैं। किसी भी तरह का प्रयोग करने से बचते हुए पार्टी की चुनाव समिति ने टिहरी लोकसभा सीट से सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह, अल्मोड़ा–पिथौरागढ़ से अजय टम्टा और नैनीताल–ऊधमसिंह नगर से अजय भट्ट को प्रत्याशी घोषित किया है। गढ़वाल और हरिद्वार लोकसभा सीट पर अभी पेच फंसा है। इन दोनों सीटों पर उम्मीदवार बदले जा सकते हैं। केंद्रीय नेतृत्व ने टिहरी लोस सीट पर राजशाही परिवार पर भरोसा जताते हुए माला राज्य लक्ष्मी शाह पर फिर से भरोसा जताया है। हालांकि, प्रत्याशियों की घोषणा से पहले तक माला राज्य लक्ष्मी शाह के टिकट को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। इस सीट पर कई दावेदारों के नाम भी सामने आ रहे थे, लेकिन अंततः माला राज्य लक्ष्मी को पार्टी ने लगातार तीसरे चुनाव अपना उम्मीदवार बनाया है। अल्मोड़ा–पिथौरागढ़ लोकसभा सीट पर पार्टी ने अजय टम्टा पर फिर से विश्वास जताया है। इस सीट को लेकर अटकलों का बाजार खासा गर्म था।लंबे समय से चर्चाएं थी कि केंद्रीय नेतृत्व इस सीट पर नया प्रयोग कर सकता है। लेकिन, टम्टा को प्रत्याशी बनाने के साथ इन अटकलों पर भी पूर्ण विराम लग गया है। टम्टा भी तीसरी बार चुनाव मैदान में नजर आएंगे। इससे पहले वह भी 2014 और 2019 का लोस चुनाव जीत चुके हैं। पार्टी ने नैनीताल–ऊधम सिंह नगर लोस सीट पर सांसद अजय भट्ट पर दांव लगाया है। भट्ट केंद्र में रक्षा व पर्यटन राज्यमंत्री हैं। पार्टी ने उन्हें 2019 में इस सीट पर प्रत्याशी बनाया था। 2014 में इस सीट पर भगत सिंह कोश्यारी सांसद थे। भट्ट को पार्टी ने लगातार दूसरी बार मौका दिया है। लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों की पहली सूची में हरिद्वार और गढ़वाल लोससभा सीट के प्रत्याशियों के नाम शामिल नहीं है। माना जा रहा कि इन दोनों सीटों पर प्रत्याशियों के नामों को लेकर अभी कशमकश है। गढ़वाल से पूर्व सीएम तीरथ सिंह रावत सांसद हैं, जबकि हरिद्वार का प्रतिनिधित्व पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक कर रहे हैं। भाजपा केंद्रीय नेतृत्व अपनी दूसरी सूची में इन दोनों सीटों के प्रत्याशियों के नाम घोषित कर सकता है। पहली सूची में दोनों सीटों के प्रत्याशियों के नाम शामिल न होने को लेकर सियासी हलकों में चर्चाएं हैं कि केंद्रीय नेतृत्व यहां नया प्रयोग करने के मूड में है।

हरिद्वार नजीबाबाद मार्ग पर उमड़ी कांवड़ियों की भीड़

हरिद्वार। चैत्र की महाशिवरात्रि के चलते हरिद्वार–नजीबाबाद मार्ग पर कांवड़ियों की भीड़ बढ़ने लगी है। महाशिवरात्रि पर आठ मार्च को जलाभिषेक होगा।महाशिवरात्रि से पहले कांवड़िए हरकी पैड़ी से गंगाजल भर अपने गंतव्य को निकलने लगे हैं। शनिवार को बड़ी संख्या में कांवड़ियों के हरिद्वार पहुंचने से हाईवे भगवा रंग में रंगा दिखा।

हाईवे पर कांवड़ियों की भीड़ के चलते यातायात सुचारु करने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन की टीम भी मुस्तैद दिखी। चंडीघाट पुल से चिड़ियापुर सीमा तक कांवड़ यात्रा के लिए हाईवे पर गड्ढों की मरम्मत और आवश्यक स्थानों पर पेयजल, पथ प्रकाश और जंगल के रास्ते से कांवड़ के गुजारने के साथ ही पार्किंग की व्यवस्था का जिम्मा सिंचाई विभाग को सौंपा गया है। एनएच हाईवे प्रशासन यातायात और कांवड़ यात्रा को वन वे से गुजारने में जुटा रहा।

जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना है अधिकारियों का दायित्व : मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से की मुलाकात

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को डाकरा बाजार गढ़ी कैंट क्षेत्र का स्थलीय भ्रमण कर विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों से मुलाक़ात की तथा जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का भी जायजा लिया।मुख्यमंत्री आवास परिसर से होते हुए डाकरा बाजार गढ़ी कैंट क्षेत्र पहुंचे, मुख्यमंत्री ने उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन निःशुल्क खाद्यान, आयुष्मान योजना आदि विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों से बातचीत की तथा उनकी कुशलक्षेम भी जानी। लोगों को किस योजना के तहत क्या-क्या लाभ मिला है, लाभार्थियों से मुख्यमंत्री ने इसकी भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने का हमारा प्रयास है। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री को अचानक अपने मध्य पाकर लाभार्थी अचंभित होने के साथ काफी खुश एवं उत्साहित नजर आए। स्थानीय लोगों ने उन्हें विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिये प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को आशीर्वाद के साथ धन्यवाद भी दिया। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान आम जनता एवं लाभार्थियों को देशवासियों के नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पत्र भी सौंपा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की जनता के नाम प्रेषित अपने पत्र में उल्लेख किया है कि ''10 वर्ष पूर्व जब आप सबने मुझे अपना आशीर्वाद देकर आपकी सेवा करने का अवसर दिया था, तब हमने अंत्योदय के मूल मंत्र के साथ देश के सबसे निचले पायदान के लोगों को भी मुख्यधारा में शामिल करने के लक्ष्य के साथ शुरुआत की थी। सरकार बनते ही हमने संकल्प लिया था कि हमारी सरकार गरीबों के लिए समर्पित सरकार रहेगी। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की प्रेरणा से हमने इन 10 सालों में निरंतर ऐसी योजनाएं लागू की, जिससे गरीब की मुश्किलें कम हो और उनका जीवन आसान बने। हमारे देश में लंबे समय तक गरीबी हटाओ के नारे तो लगते रहे, लेकिन इन नारों के बावजूद गरीबी नहीं हटी।

अतिक्रमण के खिलाफ वन विभाग संग पुलिस का एक्शन, मकानों पर चला बुलडोजर

हल्द्वानी। गौलापार स्थित बागजाला में शनिवार सुबह अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई के लिए वन विभाग संग पुलिस और प्रशासन की टीम पूरी तैयारी संग पहुंच गई। जिसके बाद वनभूमि पर बने मकानों को तोड़ना शुरू कर दिया। पहले चरण में निर्माणाधीन मकानों पर कार्रवाई की जा रही है। वहीं, आठ फरवरी को बनभूलपुरा में हुए उपद्रव को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था दिखाई दी। बागजाला में वन विभाग की करीब 100 हेक्टेयर जमीन पर अतिक्रमण है। इसमें 66 हेक्टेयर पर पूर्व में लीज दी गई थी। लेकिन 2008 में वह भी खत्म हो गई। वहीं, पिछले कुछ दिनों में इस इलाके में नए घर भी बनने लगे गए। जिसके बाद वन विभाग ने इलाके में मुनादी करवाई। इसके बाद शनिवार सुबह टीम आठ घरों को तोड़ने पहुंच गई। कार्रवाई अभी जारी है।

पूरे बागजाला को बना दिया छावनी

आठ फरवरी को बनभूलपुरा में अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान जमकर बवाल हुआ था। ऐसे में अधिकारियों ने सुरक्षा को लेकर बागजाला में रणनीति के तहत काम किया। पूरे बागजाला को छावनी बना दिया था।

पुलिसकर्मियों ने सुनाई थी आंखों देखी और आपबीती

मलिक के बगीचे के पास की गलियों के साथ ही घरों की छतों से लोग पत्थरबाजी कर रहे थे। एकाएक भीड़ उग्र हो गई और अधिकारियों के साथ ही पुलिसकर्मियों को घेर कर पथराव शुरू कर दिया। अधिकारी और सिपाही आसपास के घरों, गलियों और जो सुरक्षित स्थान लग रहा था, वहां जान बचाने के लिए छिप रहे थे।

उपद्रवी कर रहे थे पत्थरों की बौछार

वहीं, उपद्रवी पत्थरों की बौछार करने के साथ पुलिस, नगर निगम कर्मियों को पकड़ कर ईंटों से हमला कर रहे थे। इस भगदड़ में कई कर्मचारी और सिपाही जमीन पर भी गिर गए थे। फिर भी जैसे–तैसे जान बचाई और लहूलुहान अवस्था में अस्पताल पहुंचे। पूरे घटनाक्रम से जुड़ी आंखों देखी और आपबीती को पुलिसकर्मियों ने बताया।

आईआईटी से पीएचडी कर रहे दो छात्रों की सड़क दुर्घटना में मौत

रुड़की। कांवड़ पटरी उत्तरा टेक कॉलेज के पास दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन बाइक सवार दो छात्रों को टक्कर मारते हुए फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल दोनों छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने दोनों ही छात्रों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक दोनों छात्र आईआईटी रुड़की से पीएचडी कर रहे थे। कलियर पुलिस ने बताया कि कलियर धनोरी कावंड़ पटरी पर उत्तराटेक पॉलटेक्निक कॉलेज के पास शनिवार सुबह करीब 5 बजे बाइक सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर एसओ दिलबर सिंह नेगी घटनास्थल पर पहुंचे और दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कलियर थानाध्यक्ष दिलबर सिंह नेगी ने बताया कि दोनों युवकों की शिनाख्त रुड़की आईआईटी के छात्र शशि गौरव निवासी ग्राम धनामा थाना परवलपुर जिला नालंदा बिहार और कमलेश मीणा निवासी नीम थाना राजस्थान के रूप हुई। दोनों छात्र आईआईटी रुड़की से पीएचडी कर रहे थे। पुलिस के अनुसार ये दोनों छात्र रुड़की से हरिद्वार की ओर जा रहे थे। इस दौरान ये हादसा हुआ। पुलिस ने मृतकों के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की सूचना परिजनों और आईआईटी प्रबंधन को दे दी गई है। पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के आधार पर अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर रही है।

गहरी नींद में सोया अमरीकी चंद्रयान, चांद पर लैंड होते ही जमीन में धंस गया था पैर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमरीका का एक अंतरिक्ष यान चांद की सतह पर एक सप्ताह तक तड़पने के बाद गुरुवार को गहरी नींद में सो गया। ओडीसियस नाम का यह स्पेसक्राफ्ट एक सप्ताह पहले ही लॉन्च किया गया था। यह एक प्राइवेट अमरीकी कंपनी इंटुएटिव मशीन्स का स्पेसक्राफ्ट है। वह जब चंद्रमा की सतह पर उतरा तो कुछ खराबी के चलते टीम का अंतरिक्ष यान से संपर्क टूट गया था। नासा ने बताया था कि उतरते समय मून लैंडर ओडीसियस का एक पैर चंद्रमा पर फंस गया था। इससे यह एक ओर झुक गया है। इसके बाद काफी कोशिशें की गईं, लेकिन इसे खड़ा नहीं किया जा सका। आखिरकार धरती पर इसके कंट्रोलर ने इसे गुरुवार को सुला दिया। गुरुवार को ओडीसियस से आखिरी इमेज प्राप्त करने के बाद इसको कंट्रोल करने वाले वैज्ञानिकों ने इसके कम्प्यूटर और पावर सिस्टम को स्टैंडबाय मोड में डाल दिया। यह एहतियाती कदम इसलिए उठाया गया है, ताकि इस लैंडर को दो से तीन सप्ताह बाद फिर से जगाया जा सके।

इंटुएटिव मशीन्स के प्रवक्ता जोश मार्शल के अनुसार, आखिरी समय में उठाए गए कुछ कदमों के चलते लैंडर की बैटरियां तेजी से खत्म होने लगी थीं। इसलिए इसके डेड होने से पहले उसे लंबे समय तक गहरी नींद में सुला दिया गया है। इंटुएटिव मशीन्स ने 22 फरवरी को ओडीसियस के लैंडर को सफलतापूर्वक चांद पर उतारा था। यह चंद्रमा पर उतरने वाली अमेरिका की पहली निजी कंपनी बन गई। इस उपलब्धि ने उन्हें जापान सहित उन कुछ देशों में शामिल कर दिया, जिन्होंने 1960 के दशक के बाद से ऐसी लैंडिंग पूरी की है। 11 घंटे की गड़बड़ी के बावजूद यह छह पैरों वाला स्पेसक्राफ्ट सफलतापूर्वक चंद्रमा की सतह पर पहुंचा था, लेकिन इसकी लैंडिंग थोड़ी अजीब हुई। भारत के चंद्रयान–3 की तरह इसकी लैंडिंग एकदम सीधी नहीं हुई। यह झुका हुआ चांद पर उतरा, जिससे यह किसी ऑपरेशन को अंजाम देने में कामयाब नहीं हो पाया।

एक नजर

गहरी खाई में मिला शव

चमोली : गोपेश्वर पुलिस ने पल्ला जखोला के बीच बेलाधर के पास गहरी खाई से एक शव बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार शुक्रवार रात्रि के समय चौकी को सूचना मिली कि ग्राम मोठा नंदप्रयाग से किमाणा शादी में आए कुलदीप सिंह निवासी ग्राम धारकोट थाना नन्दानगर घाट गुम हो गया है। सूचना पर पुलिस द्वारा स्थानीय लोगों से पूछताछ की गयी तो पता चला कि कुलदीप सिंह बारात के वाहन से ग्राम पल्ला जखोला के बीच में बेलाधर के पास उतरा था। कोतवाली जोशीमठ पुलिस व एसडीआरएफ द्वारा शनिवार सुबह स्थानीय व्यक्तियों एवं ग्राम चौकीदार के साथ घटना स्थल पर सर्च अभियान चलाया गया तो कुलदीप सिंह का शव पल्ला जखोला के बीच बेलाधर के पास गहरी खाई में गिरा मिला। पुलिस एवं एसडीआरएफ ने शव को खाई से निकाला। (एजेंसी)

अस्कोट में शवयात्रा को जा रहा वाहन दुर्घटनाग्रस्त

पिथौरागढ़। अस्कोट में शवयात्रा का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में जा गिरा। हादसे में वाहन में सवार दस लोग घायल हो गए। डीडीहाट सीएचसी में घायलों का इलाज चल रहा है।आपदा प्रबंधन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार को वाहन संख्या यूके 05टीए 2633 में सवार होकर दस लोग ओगला से हंसेश्वर अंतिम संस्कार के लिए जा रहे थे। हल्पिया पिनौला के समीप वाहन चालक त्रिलोक दिगारी वाहन से नियंत्रण खो बैठा और वाहन करीब 50 मीटर खाई में गिर गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर अस्कोट पुलिस मौके पर पहुंची। टीम को चालक सहित धीरज जिमवाल, अजय अवस्थी, दिनेश जिमवाल, गोविंद जिमवाल, आन सिंह जिमवाल, मोहन सिंह, जहद सिंह जिमवाल, महेंद्र सिंह जिमवाल, ललित सिंह जिमवाल घायल अवस्था में मिले।

पीएम मोदी ने बंगाल को दी 15,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

कृष्णानगर , (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में 15,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने नादिया जिले के कृष्णानगर में आज एक आधिकारिक समारोह में इन परियोजनाओं का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं से बंगाल को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी और अधिक निवेश आएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण के लिए राज्य को बिजली पर आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है जो औद्योगिक विकास, रेलवे नेटवर्क और प्रौद्योगिकियों में मदद करती है।मोदी ने कहा कि उन्हें बंगाल में 11,000 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। एक बार अत्यधिक विकसित भारत के स्वतंत्र होने के तुरंत बाद उपेक्षा के कारण बंगाल ने धीरे–धीरे अपना महत्व खो दिया। मोदी ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को राज्य के विकास के लिए 7,000 करोड़ रुपये से अधिक का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि राज्य पूर्वी भारत का प्रवेश द्वार है।अन्य बातों के अलावा, प्रधानमंत्री ने पुरुलिया जिले के रघुनाथपुर में स्थित रघुनाथपुर थर्मल पावर स्टेशन चरण (2 गुणा 660 मेगावाट) का उद्घाटन और शिलान्यास किया। दामोदर घाटी निगम की यह कोयला आधारित ताप विद्युत परियोजना अत्यधिक कुशल एवं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है।नया प्लांट देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक कदम होगा। इसके अतिरिक्त, मेजिया थर्मल पावर स्टेशन की यूनिट सात और आठ की ग्रिप गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) प्रणाली पर आधारित होगी। लगभग 650 करोड़ रुपये की लागत से विकसित, एफजीडी प्रणाली ग्रिप गैसों से सल्फर डाइऑक्साइड को हटा देगी, स्वच्छ ग्रिप गैस का उत्पादन करेगी और जिप्सम बनाएगी, जिसका उपयोग सीमेंट उद्योग में किया जा सकता है।मोदी ने राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–12) (100 किमी) के फरक्का–रायगंज खंड के चार लेन की सडक़ परियोजना का भी अनावरण किया। लगभग 1,986 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह परियोजना यातायात की भीड़ को कम करेगी, कनेक्टिविटी में सुधार करेगी और उत्तर बंगाल तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक विकास में योगदान देगी।प्रधानमंत्री ने 940 करोड़ रुपये से अधिक की चार रेल परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित कीं, जिनमें दामोदर–मोहिशिला रेल लाइन के दोहरीकरण की परियोजना, रामपुरहाट और मुरारई के बीच तीसरी लाइन, बाजारसौ–अजीमगंज रेल लाइन का दोहरीकरण, और अजीमगंज और मुर्शिदाबाद को जोडऩे वाली एक नई लाइन भी शामिल है।

रांची में नक्सलियों ने ऋशर प्लांट पर हमला कर तीन गाडियां और मशीनें फूंकी

रांची , (एजेंसी)। रांची के पिठौरिया थाना क्षेत्र के सांगा में नक्सलियों ने एक ऋशर प्लांट पर हमला कर तीन वाहनों और मशीनों में आग लगा दी। उन्होंने कई राउंड फायरिंग भी की। वहां काम करने वाले श्रमिकों के मोबाइल छीन लिए और प्लांट को बंद करने की धमकी दी। बताया गया है कि लगभग 11 बजकर 40 मिनट पर चार–पांच हथियारबंद नक्सलियों ने प्लांट पर धावा बोल दिया।

पहले उन्होंने फायरिंग कर दहशत फैलाई और प्लांट के पास मौजूद तीन हाइवा ट्रक और मशीनों में आग लगा दी। उन्होंने मजदूरों के छह मोबाइल छीन लिए। नक्सलियों ने खुद को कमांडर कृष्णा यादव उर्फ सुल्तान का आदमी बताया और मजदूरों को कहा कि उनकी इजाजत के बगैर यहां काम नहीं होगा। ऋशर के संचालक वारिस अंसारी ने पुलिस को इसकी सूचना दी है।

आरएसएस नेता की हत्या का मुख्य साजिशकर्ता मुंबई हवाईअड्डे से गिरफ्तार

नई दिल्ली। एनआइए ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता की हत्या के मुख्य साजिशकर्ता को विदेश से लौटने पर मुंबई हवाईअड्डे से गिरफ्तार किया है। आरोपित गौस नियाजी प्रतिबंधित संगठन पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआइ) का सदस्य है। उसने आरएसएस नेता आर. रुद्रेश की हत्या की साजिश रची थी।

2016 से था फरार

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) के प्रवक्ता ने शनिवार को कहा कि रुद्रेश की हत्या के बाद गौस नियाजी वर्ष 2016 में फरार हो गया था। उसे तंजानिया के दार–ए–सलाम से आने के तुरंत बाद शुक्रवार को मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर एनआइए की स्पेशल टीम ने गिरफ्तार कर लिया। कर्नाटक में पीएफआइ के चार सदस्यों ने बेंगलुरु के शिवाजीनगर इलाके के प्रमुख आरएसएस नेता रुद्रेश की 16 अक्टूबर, 2016 को हत्या कर दी थी।

नियाजी और असीम शेरिफ ने रची थी हत्या की साजिश

एनआइए प्रवक्ता ने कहा कि जांच से पता चला है कि नियाजी और असीम शेरिफ ने रुद्रेश की हत्या की साजिश रची।

इप दोनों ने लोगों के बीच आतंक पैदा करने के इरादे से अन्य चार आरोपितों को रुद्रेश की हत्या करने के लिए राजी किया था। हत्यारों को बरगलाया गया कि आरएसएस के खिलाफ लड़ाई जिहाद है।

धामी सरकार में रोजगार मेलों के माध्यम से बरस रही नौकरियां

● विगत चार माह में सेवायोजन विभाग के माध्यम से लगभग साढ़े तीन हजार युवाओं को मिले रोजगार के अवसर ● –आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तराखंड में बेरोजगारी दर में आई भारी कमी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आज मुख्यमंत्री आवास परिसर में कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा विभाग के अंतर्गत लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 27 डिप्टी जेलरों तथा 285 बंदी रक्षकों को नियुक्ति–पत्र वितरित किये। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर पूरे प्रदेश में सेवायोजन विभाग के माध्यम से आयोजित हो रहे रोजगार मेलों के सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। विगत चार माह में सेवायोजन विभाग राज्य के लगभग साढ़े तीन हजार युवाओं को रोजगार दिलाने में कामयाब रहा है।

राज्य की धामी सरकार का फोकस अधिक से अधिक रोजगार सृजन पर है। सरकारी विभागों के अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी युवाओं को अधिकाधिक रोजगार प्राप्त हो इसके लिए राज्य की धामी सरकार निरंतर प्रयासरत है। धामी सरकार के इन्हीं सब प्रयासों का प्रतिफल है कि राज्य में बेरोजगारी दर में भी ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। राज्य विधानसभा में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट बताती है कि उत्तराखंड में बेरोजगारी दर में भारी कमी देखने को मिली है। वर्ष 2021– 22 में उत्तराखंड में 8.4 फीसदी बेरोजगारी दर थी, जो 2022–23 में घटकर 4.9 फीसदी रह गई है।

इधर, राज्य सेवायोजन विभाग के माध्यम से प्रत्येक जनपद में रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें फार्मा से लेकर सिक्योरिटी, बैंकिंग,सेल्स मार्केटिंग आदि कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

विगत चार माह में सेवायोजन विभाग के माध्यम से लगभग साढ़े तीन हजार युवाओं को नौकरियों के अवसर उपलब्ध हुए। नवंबर माह में 872, दिसंबर में 1376, जनवरी में 122, फरवरी माह में 1068 युवाओं को रोजगार मिला।

एक साल में नौकरियों का बनाया रिकॉर्ड

बीते एक साल में यूकेपीएससी के माध्यम से 6635 अफसरों तथा समूह ग के पदों पर 7644 युवाओं को पुलिस दूर संचार, रैंकर्स, आबकारी सिपाही, पशुपालन, रेशम, शहरी विकास, वन विभाग, शिक्षा विभाग में एलटी, कृषि विभाग,पेयजल निगम, विभिन्न विभागों में सहायक लेखाकार, लेखाकार, अनुदेशक, कार्यशाला अनुदेशक, वाहन चालक, सचिवालय रक्षक, मत्स्य विभाग आदि में नौकरी देकर धामी सरकार ने रिकॉर्ड बनाया है। फारेस्ट गार्ड के 2000 से ज्यादा पदों पर भी नियुक्ति की गई।

विकास की गति में अवरोध बनी मोदी सरकार, सिर्फ मित्रों का हित साधा जा रहा है: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय देश ने प्रगति की जो रफ्तार पकड़ी थी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उस गति में अवरोध बनी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नेतृत्व वाली सरकार ने गरीबों को मजबूती प्रदान कर देश को विकास की रहा दिखाई लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में सिर्फ मित्रों का हित साधा जा रहा है।

राहुल गांधी ने कहा, "संप्रग सरकार में तेज़ी से आगे बढ़ती भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नरेंद्र मोदी 'स्पीड ब्रेकर' बन गए हैं। कांग्रेस ने गरीबों को मज़बूत कर विकास को गति दी वहीं श्री मोदी चंद मित्रों के फायदे के लिए देश को खोखला कर रहे हैं।" देश की निरंतर प्रगति में नीतियों महत्व देने की जरूरत पर बल देते हुए उन्होंने कहा, "नीतियों में देशवासियों को आगे रखे बिना देश का विकास असंभव है।

झूठे प्रचार के विपरीत आर्थिक मोर्चे पर भाजपा सरकार कांग्रेस के आस–पास भी नहीं है। आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।"

इजराइल इंतहा कर दे रहा!

श्रुति व्यास

खाने और पानी की कमी के चलते गाजा में छह बच्चों ने दम तोड़ दिया। खून से लथपथ एक आदमी आटे के बोरे के पास जमीन पर पड़ा मिला। बताया जाता है इजरायली सैनिकों ने उसे तब गोली मार दी जब वह मदद का इंतजार कर रहा था।गाजा में ज़मीनी स्तर पर मदद पहुँचने की गति बहुत धीमी हो गई है।

स्वयंसेवी संस्थाओं ने चेताया है कि कुछ ही दिन बाद दुनिया टीवी पर बच्चों की तिल–तिल मौत का सीधा प्रसारण देखेगी। गाजा पर हुई बमबारी में अब तक 30,000 फिलिस्तीनी अपनी जान गँवा चुके हैं। इनमें से दो–तिहाई महिलाएं और बच्चे हैं।

सुनियोजित हत्या, नरसंहार, होलोकास्ट झ आप इसके लिए अपनी पसंद का कोई भी शब्द चुन सकते हैं। मगर यह साफ़ है कि इतिहास अपने आप को दुहरा रहा है। अंतर केवल यह है कि इस बार स्थिति ठीक उलट है। पहले के पीड़ित अब अपराधी हैं। जो तब बर्बाद होने से बच गए थे, वे अब बर्बादी कर रहे हैं। जिन्हें जमीन हासिल हुई, जिनका पुनर्वास हुआ, जिन्हें एक नया जीवन मिला, वे अब दूसरों की ज़मीन और उनकी ज़िन्दगी छीन लेना चाहते हैं, एक समय सारी दुनिया उनके साथ खड़ी थी।

पूरी दुनिया ने उनका समर्थन किया, उनके लिए लड़ाई लड़ी, लड़ाई में उनका साथ दिया, इंसाफ हासिल करने में उनकी मदद की। और आज वही दुनिया पिछले 145 दिनों से उनके भयावह अत्याचारों को चुपचाप देख रही है। आखिर दुनिया चुप क्यों है? सभी बापों का माईबाप अमरीका, इजराइल के इतने क्रूर व्यवहार को बर्दाश्त कर रहा है? क्या उनकी अंतरात्मा मर चुकी है? क्यों वे बेकसूर फिलिस्तीनी बच्चों, माओं, दादा–दादियों, पत्रकारों, प्रोफेसरों और टीचरों के कत्लेआम से नजरें चुरा रहे हैं?

बेंजामिन नेतन्याहू को रोकने के लिए बाइडन वैसी हिम्मत क्यों नहीं दिखा पा रहे हैं जैसी कि 1982 में रोनाल्ड रीगन ने दिखाई थी? उस साल बेरूत पर 11 घंटे चले हवाई हमलों में 100 लोग मारे गए थे। रीगन ने उसी दिन तत्कालीन इजरायली प्रधानमंत्री मेनाखेम बेगिन को फोन लगाकर अपना ह्यआक्रोशह्ल व्यक्त किया और ह्यगैर–ज़रूरी बर्बादी और खून–खराबे को गलत बताया। कहा जाता है कि रीगन ने अपनी नाराजगी जाहिर करने के लिए होलोकास्ट शब्द का इस्तेमाल किया।

इसके जवाब में बेगिन ने कटाक्ष करते हुए कहा, "मुझे लगता है कि होलोकास्ट का मतलब मैं जानता हूं" ।मगर रीगन अपनी बात पर अड़े रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि बेरूत में युद्धविराम करना ज़रूरी है। इसके बीस मिनट बाद बेगिन ने रीगन को फोन करके बताया कि उन्होंने शेरोन (जो उस समय इजराइल के रक्षामंत्री थे) को बमबारी बंद करने के लिए कह दिया है। और बमबारी बंद हो गई।

उनके हुक्म की तामील इतनी जल्दी होगी, इसकी उम्मीद शायद रीगन को भी नहीं थी। ऐसा बताया जाता है कि फ़ोन रखने के बाद उन्होंने अपने एक सहायक से कहा कि उन्हें नहीं मालूम था कि वे इतने शक्तिशाली हैं ! लेकिन वे इतने शक्तिशाली थे। और आज 42 साल बाद बाइडन भी उतने ही शक्तिशाली हैं। लेकिन वे इजराइल को बिना शर्त समर्थन दे रहे हैं, जिसका फायदा उठाते हुए नेतन्याहू खुलेआम मनमानी कर रहे हैं। बर्बर बमबारी और हत्याएं करने के बावजूद उनका बाल बांका नहीं हो रहा है।

हर हफ्ते बाइडन और उनके शीर्ष सहयोगी नेतन्याहू के प्रति नाराजगी जताते हैं और वे जिस तरह की लड़ाई लड़ रहे हैं, उसे गलत ठहराते हैं। एक अनाम अमरीकी अधिकारी द्वारा लीक की गई जानकारी के मुताबिक बाइडन कम से तीन बार नेतन्याहू को ह्ययसहोलह्ल (एक अश्लील गाली) कह चुके हैं। एक अज्ञात स्त्रोत ने बताया कि बाइडन कई बार कह चुके हैं कि "बहुत हो गया" और "यह सब अब बंद होना चाहिए"। इसके बावजूद वे इजराइल को कूटनीतिक संरक्षण दे रहे हैं और हथियार भी, जिसके चलते इजराइल युद्ध जारी रख पा रहा है। हमास के हमलों के बाद बाइडन ने कांग्रेस से इजराइल को अतिरिक्त हथियार और सुरक्षा देने के लिए 14.3 अरब डालर की मांग की थी। हालांकि यह पैकेज कांग्रेस ने अभी तक मंजूर नहीं किया है, लेकिन बाइडन प्रशासन ने फिर भी इजराइल को हथियार भेजे।

नेतन्याहू तो अब यह भी तय कर रहे हैं कि युद्ध के बाद गाजा में क्या होगा। और अमरीका अपने वीटो का इस्तेमाल कर संयुक्त राष्ट्र संघ में इजराइल की कड़ी आलोचना करने वाले प्रस्तावों को पास नहीं होने दे रहा है। अभी तक अमरीका तीन बार इजराइल के पक्ष में ऐसा कर चुका है।

बाइडन इजराइल पर दबाव डाल सकते हैं। वे इजराइल को असलाह, बम और गोपनीय जानकारियों की सप्लाई रोक सकते हैं। वे इजराइल के पक्ष में वीटो का इस्तेमाल करना बंद कर सकते हैं। यह सब करने की बजाय बाइडन केवल दुनिया को यह दिखा रहे हैं वे नेतन्याहू से कितने परेशान है।

आमने सामने का चुनाव मैदान सजा!

अजीत द्विवेदी

अब तक हुए लोकसभा के 17 चुनावों में चार सौ सीट तो एक बार कांग्रेस पार्टी को हासिल हो चुकी है लेकिन किसी पार्टी को 50 फीसदी वोट नहीं मिले हैं। जब राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 1984 में 415 सीटें हासिल की थीं, तब भी कांग्रेस को 48 फीसदी ही वोट मिले थे। नरेंद्र मोदी को बतौर प्रधानमंत्री 2019 में 303 सीटें और 37 फीसदी वोट मिले थे। इस बार वे 50 फीसदी वोट हासिल करने का लक्ष्य लेकर लड़ रहे हैं तो दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन बिखरे हुए विपक्षी वोट को एकजुट करने और उसका बड़ा हिस्सा हासिल करने की तैयारी के साथ चुनाव लड़ रहा है। ध्यान रहे इससे पहले जब भी आमने सामने का चुनाव हुआ है तब सत्तारुढ़ दल की हार हुई है। पहली बार 1977 में और दूसरी बार 1989 में यह देखने को मिला था। तभी इस बार का लोकसभा चुनाव बहुत अहम होने वाला है। इसमें यह तय होगा कि विपक्ष एकजुट होकर भी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को हरा पाएगा नहीं और इतने ध्रुवीकरण के बाद कोई गठबंधन 50 फीसदी वोट हासिल कर पाता है या नहीं? कई जानकार मान रहे हैं कि इस बार विपक्ष का वैसा गठबंधन नहीं है, जैसा 1977 में था या जिस तरह का गठबंधन 1989 में था। लेकिन ऐसा नहीं है। इस बार भी विपक्षी पार्टियों ने आमने सामने की लड़ाई का गठबंधन बना लिया है और जहां गठबंधन बना हुआ नहीं दिख रहा है वहां उसे जान बूझकर छोड़ा गया है। यानी गठबंधन को उसी तरह से डिजाइन किया गया है। वहां भी मुकाबले आमने सामने का ही होगा। तीन राज्य अपवाद हैं, जहां त्रिकोणात्मक मुकाबले की संभावना फिलहाल दिख रही है।पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच मुकाबला होगा, जिसमें तीसरा कोण अकाली दल और भाजपा की वजह से बनेगा। इसी तरह आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस बनाम टीडीपी गठबंधन का मुकाबला होगा, जिसमें तीसरा कोण बनने की कोशिश कांग्रेस कर रही है। तीसरा राज्य तेलंगाना है, जहां कांग्रेस और केसीआर की पार्टी का मुकाबला होगा, जिसमे भाजपा तीसरा कोण बनेगी। इसके अलावा तीन राज्य ऐसे हैं, जहां तीसरी पार्टी लड़ेगी लेकिन मुकाबला त्रिकोणात्मक नहीं होगा।

केरल में लेफ्ट और कांग्रेस मोर्चे का आमने सामने का मुकाबला है। भाजपा अकेले लड़ेगी लेकिन वह लड़ाई को त्रिकोणात्मक नहीं बना पाएगी। इसी तरह पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा की लड़ाई होगी, जिसमें अगर कांग्रेस अलग भी रही तो वह और लेफ्ट मिल कर तीसरा कोण नहीं बन पाएंगे। केरल और पश्चिम बंगाल में मुकाबला आमने सामने का ही होगा। ओडिशा में मुकाबला बीजू जनता दल बनाम भाजपा है, जबकि कांग्रेस तीसरा कोण बनाने की कोशिश करेगी। कह सकते हैं कि देश की 543 लोकसभा सीटों में से साढ़े चार सौ से ज्यादा सीटों पर आमने सामने की लड़ाई होनी है। आमने सामने की लड़ाई यानी भाजपा के एक उम्मीदवार के मुकाबले विपक्ष का एक उम्मीदवार उतारने के सिद्धांत पर पिछले साल मई में चर्चा हुई थी और सहमति भी बनी थी। लेकिन बाद में ऐसा लगा कि विपक्ष की यह रणनीति कागजी बन कर रह जाएगी क्योंकि कांग्रेस हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में चुनाव हार गई और उसके बाद विपक्षी गठबंधन के मुख्य नेता नीतीश कुमार अलग होकर वापस एनडीए में चले गए। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि विपक्षी पार्टियां उस झटके से उबर गई हैं और एकजुट होकर लडने की तैयारी कर रही हैं।

जिन दो राज्यों के नेताओं को लेकर सबसे ज्यादा आशंका जताई जा रही थी उन्होंने कांग्रेस के साथ तालमेल कर लिया। अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल को लेकर आशंका जताई जा रही थी। लेकिन अखिलेश ने कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में 17 सीटें दीं, जिसके बदले में कांग्रेस उनके लिए मध्य प्रदेश में एक सीट छोडने पर राजी हो गई। इसी तरह कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और गोवा में तालमेल कर लिया।

कांग्रेस की जहां पुरानी सहयोगी पार्टियां हैं यानी जहां पुराना यूपीए मौजूद है वहां भी जल्दी ही तालमेल हो जाएगा। महाराष्ट्र में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने 48 में से 40 सीटों का फैसला कर लिया है। आठ सीटों पर मामला अटका है, जिसमें छह सीटें मुंबई की हैं। तमिलनाडु में डीएमके ने कांग्रेस को नौ सीटें देने का ऐलान कर दिया है लेकिन तीन या चार सीटों पर अदला बदली की चर्चा हो रही है।

दांव–पेच और जोड़–तोड़

राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान के समय हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने अपने इस कौशल का परिचय दिया, तो कर्नाटक में कांग्रेस इसमें भारी पड़ी। ज्यादा वक्त नहीं गुजरा है, जब बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने खेला कर दिखाने का एलान किया था, हालांकि असल वक्त आने पर खुद उनकी पार्टी के साथ खेला हो गया।

खेला करने की सियासत से अधिकांश पार्टियों को गुरेज नहीं रह गया है। अब तो यह हाल है कि जो इसमें ज्यादा कारगर होता है, मीडिया और विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग भी उससे मोहित होकर उसका गुणगान करने लगता है।बात नई नहीं है, लेकिन अब बहुत बदरूप ढंग ले चुकी है। अक्सर राज्यसभा चुनावों के दौरान इसका नंगा नाच देखने को मिलता है। इस दौरान की खरीद–फरोख्त को पार्टियों ने अपनी शक्ति और सियासी कौशल के प्रदर्शन का प्रतीक बना लिया है। अब तो यह हाल है कि जो इसमें ज्यादा कारगर होता है, मीडिया और विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग भी उससे मोहित होकर उसका गुणगान करने लगता है। चूंकि खेला करने की सियासत से अधिकांश पार्टियों को गुरेज नहीं रह गया है, इसलिए इस हमाम में सभी नंगे नजर आते हैं।मसलन, राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान के समय हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने अपने इस कौशल का परिचय दिया, तो कर्नाटक में कांग्रेस इसमें भारी पड़ी। ज्यादा वक्त नहीं गुजरा है, जब बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने खेला कर दिखाने का एलान किया था, हालांकि असल वक्त आने पर खुद उनकी पार्टी के साथ खेला हो गया।

बहरहाल, जब कोई चलन इतना बेपर्द रूप ले चुका हो, तो यह जरूरी हो जाता है कि उसे संचालित करने वाली परदे के पीछे की परिघटना को समझने की कोशिश की जाए। तो अगर हम गौर करें, तो यह साफ होने में देर नहीं लगती कि जिस लोकतंत्र पर हम गर्व करते हैं, वह धीरे–धीरे धनिकतंत्र या अभिजात्य–तंत्र में तब्दील हो चुका है। जो राजनीतिक पार्टियां हैं, वे असल में देश के छोटे से प्रभु वर्ग के हितों का प्रतिनिधित्व करने लगी हैं।

अगर गौर से देखें, तो यह साफ होगा कि इन दलों के बीच होड़ प्रभु वर्ग का भरोसा हासिल करने की होड़ लगी हुई है। फिलहाल यह भरोसा पार्टियों की चुनाव जीत सकने की क्षमता के आधार पर मिलता है। तो दलों के बीच धर्म, जाति या क्षेत्र के आधार पर भावनाएं भड़का कर जीत सकने की क्षमता दिखाने की होड़ लगी है। प्रभु वर्ग इसी क्षमता के अनुपात में पार्टियों को राज का प्रबंधन करने के संसाधन वह उपलब्ध कराता है। मगर इस क्रम में निष्ठा, आदर्श, राजनीतिक नैतिकता और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की बलि चढ़ गई है।

कानून का भय ही नहीं!

आखिर देश में कानून और सवीच्च न्यायालय के आदेशों का यह हाल क्यों हो गया है कि एक कंपनी उसकी तनिक परवाह नहीं करती? क्या इसका कारण गुजरे वर्षों में हुई बड़ी परिघटनाएं नहीं हैं, जिनमें कानून के राज की धज्जियां उड़ाई गई हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही इस वजह से शुरू की है कि इस कंपनी ने उसके पहले के आदेश का पालन नहीं किया। कोर्ट ने अपनी दवाओं के बारे में मीडिया में भ्रामक विज्ञापन देने से उसे मना किया था। लेकिन कंपनी ने कोर्ट में हलफनामा देने के बावजूद उसकी परवाह नहीं की। जैसाकि कि दो जजों की पीठ ने कहा, यह कंपनी अपने इश्तहार में औषधि एवं जादू–टोना उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम–1954 का उल्लंघन कर रही है। ऐसा खुलेआम चल रहा है और केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं की है। न्यायालय ने इस पर आक्रोश जताया। आयुष मंत्रालय से कहा– सारे देश की आंख में धूल झोंकी गई है। और आपने अपनी आंख बंद कर रखी है। दो साल से आप इस महत्त्वपूर्ण घटना (यानी न्यायिक आदेश) का इंतजार कर रहे हैं, जबकि औषधि कानून से खुद यह स्पष्ट है कि ऐसे विज्ञापन प्रतिबंधित हैं। यह मामला इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सुप्रीम कोर्ट ले गया है। अब एक बार फिर से कोर्ट ने प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में ऐसे विज्ञापनों के प्रकाशन या प्रसारण पर रोक लगाने को कहा है। मगर इस क्रम में यह विचारणीय है कि आखिर देश में कानून और सवीच्च न्यायालय के आदेशों का यह हाल क्यों हो गया है कि एक कंपनी उसकी तनिक परवाह नहीं करती? क्या इसका कारण गुजरे वर्षों में हुई बड़ी परिघटनाएं नहीं हैं,

सोनाक्षी सिन्हा से ऋ चा चड्ढा तक, हीरामंडी से तमाम अभिनेत्रियों की पहली झलक आई सामने

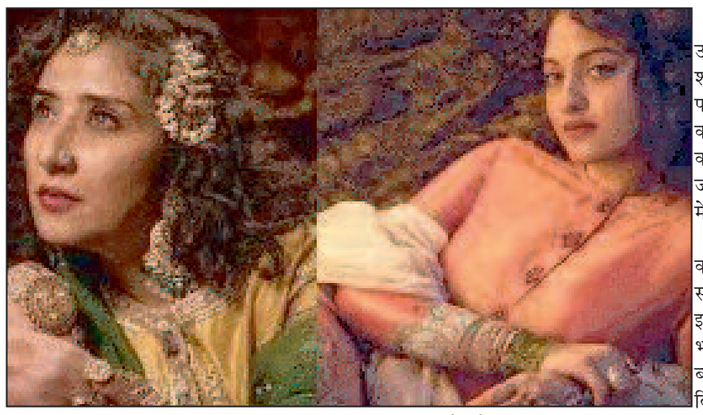

जय लीला भंसाली हीरामंडी के साथ एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं, जिसमें मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, सोनाक्षी सिन्हा, शर्मिन सहगल, ऋचा चड्ढा और संजीदा शेख शामिल हैं. एक शानदार टीजर के बाद, निर्माताओं ने अब अपनी आने वाली वेब सीरीज की स्टार कास्ट के सोलो पोस्टर रिलीज किए है.

साथ ही भंसाली ने अपने निर्देशन में बनने वाली इस वेब सीरीज के बारे में बात की और इसे अपना सबसे बड़ा प्रोजेक्ट बताया. भंसाली ने फिल्मों के बाद अब ओटीटी पर डेब्यू करने के बारे में अपनी राय बयां की है.

ह्यहीरामंडीह्ल के बारे में बात करते हुए संजय लीला भंसाली ने कहा कि ह्यमैंने बड़ी फिल्में बनाई हैं. मुझे बड़ी फिल्में बनाने में मजा आता है और यह मेरे अंदर स्वाभाविक है, लेकिन डिजिटल में बदलाव के दौरान मैंने इसे एक कदम ऊपर ले लिया है. ह्यहीरामंडीह्ल मेरी सबसे सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है. मैं इसे बेहद खास बनाना चाहता था और मैंने इससे खुद को आश्चर्यचकित कर लिया है. संजय लीला भंसाली को उनके असाधारण सीन और हर एक सीक्वेंस को डिटेल के साथ सावधानीपूर्वक ध्यान देने के लिए जाना जाता है. ह्यहीरामंडीह्ल में भी आपको ऐसा ही कुछ देखने को मिलेगा. स्टार्स के सोलो पोस्टर उनके वेब ड्रामा की भव्यता और समृद्धि की झलक पेश करते हैं जिसकी दर्शक उम्मीद कर सकते हैं, जो न केवल एक शानदार कहानी सुनाती है बल्कि अपने सीन्स से भी लोगों को मंत्रमुग्ध कर देगी.

कहानी ह्यहीरामंडीह्ल के उत्तराधिकार के लिए कट्टर शत्रु मल्लिकाजान और फरीदन के बीच सत्ता संघर्ष की जटिलताओं को उजागर करती है. यह एक ऐसा क्षेत्र जहां वेश्याएं रानियों के रूप में शासन करती हैं.

इस संघर्ष के बीच, कहानी मल्लिकाजान की सबसे छोटी बेटी आलम के इर्द–गिर्द घूमती है, जो भविष्य की आखिरी उम्मीद बन जाती है. कहानी में एक दिलचस्प मोड़ आता है क्योंकि आलम को सत्ता छोडने और कई लोगों की प्रशंसा के बजाय एक आदमी के प्यार को अपनाने के बीच विकल्प का सामना करना पड़ता है. स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वतंत्र भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित, ह्यहीरामंडीह्ल एक एपिक है जिसमें प्रेम, शक्ति, विश्वासघात, संघर्ष और स्वतंत्रता की अंतिम खोज शामिल है.

जैसे ही एसएलबी ने नेटफ्लिक्स लॉन्च के दिन ह्यहीरामंडीह्ल के एकल पोस्टर जारी किए तो दर्शकों की इसे देखने को लेकर एक्साइटमेंट दोगुनी बढ़ गई है. शानदार कलाकारों और प्रेम, शक्ति, विश्वासघात और स्वतंत्रता का वादा करने वाली कहानी के साथ, यह फिल्म भंसाली के शानदार करियर में एक और रत्न बनने का वादा करती है.

दुनियाभर में यामी गौतम की आर्टिकल 370 का डंका, 50 करोड़ के करीब पहुंची फिल्म

यामी गौतम अपनी एक्टिंग से फैंस को दीवाना बना लेती हैं. उनकी एक्शन फिल्म आर्टिकल 370 सिनेमाघरों पर रिलीज हो चुकी है. ये फिल्म 23 फरवरी को रिलीज हुई थी और वर्ल्डवाइड शानदार कमाई कर रही है. दर्शक इस फिल्म पर ढेर सारा प्यार लुटा रहे हैं. आर्टिकल 370 इंडिया के साथ विदेश में भी अच्छा बिजनेस कर रही है. फिल्म का रिव्यू अच्छा होने की वजह से हर कोई इसकी तारीफ करते नहीं रुक रहा है. इस फिल्म की खास बात ये है कि ये वीकडे में भी अच्छा कलेक्शन कर रही है. फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन सामने आ गया है और ये जल्द ही 50 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी.

आर्टिकल 370 में यामी गौतम ने पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया है. उनका दमदार एक्शन लोगों को बहुत पसंद आ रहा है. आर्टिकल 370 का इंडिया का पांच दिन का कलेक्शन भी सामने आ चुका है. आइए आपको फिल्म के डोमेस्टिक और वर्ल्डवाइड कलेक्शन के बारे में बताते हैं.

यामी गौतम की आर्टिकल 370 ने इंडिया में ओपनिंग डे पर 6.12 करोड़ का कलेक्शन किया था. दूसरे दिन 9.08 करोड़, तीसरे दिन 10.25 करोड़, चौथे दिन 3.60 करोड़ और पांचवें दिन 3.55 करोड़ का कलेक्शन किया है. जिसके बाद टोटल कलेक्शन 32.60 करोड़ हो गया है. वहीं वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने 44.60 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है.

चीन में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उत्सुक हूं : हार्दिक सिंह

नई दिल्ली ,एशियाई हॉकी महासंघ ने 28 फरवरी को घोषणा की कि पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 आठ से 17 सितंबर 2024 तक हुलुनबुइर शहर, इनर मंगोलिया,चीन में होगी। जो टीमें इस संस्करण के लिए योग्य हैं उनमें चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान और मौजूदा चैंपियन भारत शामिल हैं।

टूर्नामेंट के महत्व पर बोलते हुए, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप–कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है जहां टीमें एशिया की सर्वश्रेष्ठ हॉकी टीम होने का दावा करने के लिए संघर्ष करती हैं। हमारा लक्ष्य दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनना है, और उस यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम ट्रॉफी को बरकरार रखना और एशिया में सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करना होगा।

भारत 3 से 12 अगस्त तक चेन्नई में आयोजित एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 के पिछले संस्करण में विजयी हुआ। वे 4 जीत और 1 ड्रा के साथ पूल में शीर्ष पर रहे, जापान के खिलाफ ड्रा था। सेमीफाइनल में, उनका फिर से जापान से सामना हुआ और 5–0 से जीत दर्ज की। फाइनल में, भारत हाफ टाइम तक 3–1 से पिछड़ रहा था, लेकिन दूसरे हाफ में कप्तान हरमनप्रीत सिंह, गुरजंत सिंह और आकाशदीप सिंह के गोल ने सुनिश्चित किया कि भारत एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 का चैंपियन बने।टीम के प्रदर्शन पर विचार करते हुए हार्दिक ने कहा, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 एक शानदार टूर्नामेंट था। एक टीम के रूप में, हम अभी भी मुख्य कोच क्रेग फल्टन के तहत खेल की नई शैली को अपना रहे थे, और स्वर्ण पदक जीतना उस प्रगति का प्रमाण था जो टीम ने उनके तहत की थी। रास्ते में हमारी मदद करने के लिए हमारे साथ मेंटल ट्रेनर पैडी अप्टन भी थे, और जब हम फाइनल में मलेशिया से पिछड़ रहे थे, तब टीम ने उनके बारे में अपनी बुद्धिमत्ता बनाए रखने और चीजों को बदलने के लिए जबरदस्त चरित्र दिखाया।

मिडफील्डर ने अंत में कहा, टूर्नामेंट जीतने के लिए पिछड़ने के बाद वापिस आना एक विशेष एहसास था, और पीछे मुड़कर देखने पर, मुझे लगता है कि टीम ने उस मैच को अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए स्प्रिंगबोर्ड के रूप में इस्तेमाल किया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में खेलने और अपने खिताब का बचाव करने के लिए उत्सुक हैं।

धर्मशाला टेस्ट से केएल राहुल बाहर, बुमराह की टीम में वापसी

नई दिल्ली , धर्मशाला टेस्ट के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया गया है जिसमें जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है। वहीं केएल राहुल को अंतिम और पांचवे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। भारत–इंग्लैंड के बीच धर्मशाला टेस्ट 7 मार्च से शुरू होगा।

इंग्लैंड के खिलाफ केएल राहुल ने सीरीज का पहला और एकमात्र टेस्ट खेला। इसके बाद वो दाहिने क्वाड्रिसेप्स में दर्द की शिकायत के कारण टीम से बाहर रहे हैं।नए अपडेट में बताया गया है कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम उन पर कड़ी नजर रख रही है और उनकी समस्या के आगे के प्रबंधन के लिए लंदन में विशेषज्ञों के साथ बातचीत चल रही है।

बोर्ड ने आगे कहा कि रांची में चौथे टेस्ट के लिए टीम से रिलीज किए गए शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पांचवें टेस्ट के लिए धर्मशाला में टीम के साथ जुड़ेंगे।इस बीच, वाशिंगटन सुंदर को मुंबई के खिलाफ 2 से 6 मार्च तक नागपुर में होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल मैच के लिए तमिलनाडु टीम में शामिल होने के लिए टीम से रिलीज कर दिया गया है।पांचवां और अंतिम टेस्ट 7 मार्च से धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा।

कैमरन ग्रीन और जोश हेजलवुड की जोड़ी ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास

वेलिंग्टन ,कैमरून ग्रीन और जोश हेजलवुड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से 10वें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी कर इतिहास रच दिया। ग्रीन–हेजलवुड की जोड़ी ने वेलिंगटन टेस्ट के दूसरे दिन 10वें विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की।

कैमरून ग्रीन और जोश हेजलवुड की जोड़ी ने 2004 में ब्रिस्बेवन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 10वें विकेट के लिए जेसन गिलेस्पीक और ग्ले6न मैक्ग्रा द्वारा की गई 114 रन की साझेदारी के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। यह स्टैंड टेस्ट क्रिकेट में 10वें विकेट के लिए ऑस्ट्रेलिया का छठा 100 रन या उससे अधिक साझेदारी थी। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के डिफेंडिंग चैंपियन की शुरुआत इस मैच में ज्यादा अच्छी नहीं रही लेकिन टीम ने अपनी पहली पारी में कुल 383 रन का स्कोर खड़ा किया।

फिल्म शैतान का पहला गाना ऐसा मैं शैतान जारी, आर माधवन ने बढ़ाया हैवानियत का पारा

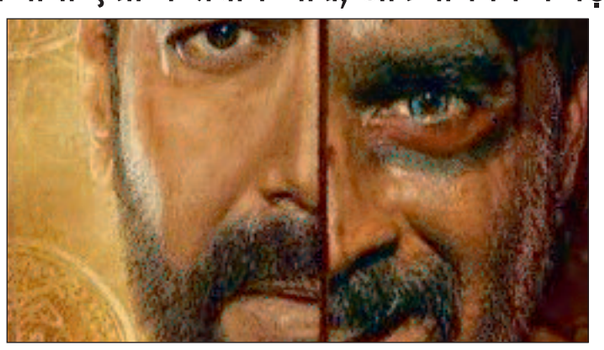

मोस्ट अवेटेड अलौकिक हॉरर थ्रिलर शैतान कुछ ही दिनों में स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है। फिल्म में अजय देवगन, आर माधवन और ज्योतिका के नेतृत्व में शानदार कलाकार हैं। ट्रेलर और पहले गाने की रिलीज के साथ, नेकर्स ने पहले ही दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। अब, उन्होंने फिल्म का दूसरा गाना, ह्यऐसा मैं शैतानह्ल एक रोमांचक ट्रैक जारी किया है, जिसमें आर माधवन नजर आ रहे हैं, जो रहस्य और आतंक को बढ़ा रहे है।

मोस्ट अवेटेड फिल्म शैतान के पीछे की टीम ने अलग अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर दूसरा गाना जारी किया। ह्यऐसा मैं शैतानह्ल नाम वाले इस गाने को अमित त्रिवेदी ने संगीतबद्ध किया है, जिसके बोल कुमार ने लिखे हैं और आवाज रफ़्तार ने दी है। ऐसा लग रहा है कि यह गाना शैतान के भयावह दायरे में एक मनोरंजक निमंत्रण के रूप में कार्य करता है। आर माधवन ने संगीत वीडियो में प्रतिपक्षी के अपने चित्रण में एक भयानक उपस्थिति दिखाई है, जबकि अजय देवगन, ज्योतिका और उनके परिवार को अंधेरे के बीच अस्तित्व के लिए संघर्ष करते हुए दिखाया गया है।

अजय देवगन, आर माधवन और ज्योतिका अभिनीत शैतान, अच्छाई और बुराई के बीच एक मनोरंजक लड़ाई के रूप में सामने आने का वादा करती है। कथानक एक ऐसे परिवार पर केन्द्रित है जिसकी मुलाकात एक रहस्यमय व्यक्ति से होती है जो स्वयं को उनके हितैषी के रूप में प्रस्तुत करता है। फिर भी, इस मुखौटे के पीछे एक द्वेषपूर्ण एजेंडा छिपा है, क्योंकि वह उन्हें नियंत्रित करने और उन्हें पीड़ा पहुँचाने के लिए काले जादू का सहारा लेता है। बता दें की ये फिल्म शैतान 8 मार्च, 2024 को नाटकीय रिलीज के लिए तैयार है।

शोपीस बनी स्ट्रीट लाइट, अंधेरे में निगम के वार्ड

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र में लगाई गई स्ट्रीट लाइट

लाखों की लागत से लगाई गई स्ट्रीट लाइटे पड़ी हैं खराब

जयनत प्रतिनिधि। कोटद्वार : लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी नगर निगम क्षेत्र के अधिकांश वार्डों में स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी हुई है। नतीजा शाम ढलते ही वार्डों में पूरी तरह अंधेरा छा जाता है। ऐसे में सबसे अधिक परेशान राहगिरों को होती है। शिकायत के बाद भी नगर निगम लाइट मरम्मत पर ध्यान नहीं दे रहा।

नगर निगम की ओर से पचास लाख रुपये खर्च कर क्षेत्र में दो हजार से अधिक स्ट्रीट लाइट लगवाई गई थी। लेकिन, वर्तमान में अधिकांश वार्डों में स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी हैं। बाजार क्षेत्र की स्ट्रीट लाइट तो निगम ठीक कर देता है। लेकिन, मोहल्लों की सुध नहीं ली जा रही है। नतीजा, मोहल्लों के रास्तों में शाम ढलते ही पूरी तरह अंधेरा छा जाता है। वार्डवासियों ने बताया कि कई स्ट्रीट लाइटों से बिजली का कनेक्शन भी हट गया है। निगम क्षेत्र के सनेह, कुंभीचौड़, सिताबपुर व भाबर क्षेत्र के कई मोहल्लों में यह समस्या बनी हुई है। शिकायत के बाद भी निगम के अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचते हैं, जिससे लोगों में रोष बना हुआ है।

जंगली जानवरों का खतरा

निगम क्षेत्र के सनेह, कुंभीचौड़ व झंडीचौड में कई ऐसे वार्ड हैं जो जंगल क्षेत्र से सटे हुए हैं।

ऐसे में इन स्थानों पर स्ट्रीट लाइट खराब होने के कारण जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। शाम ढलते ही राहगीरों का इन मार्गों पर चलना भी खतरे से खाली नहीं रहता।

पूर्व में कुंभीचौड़ व झंडीचौड़ वासियों ने जंगल के आसपास खराब पड़ी स्ट्रीट लाइट ठीक करवाने की भी मांग उठाई थी।

प्रीति रानी व अंशिका का शोध प्रस्ताव मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना के लिए स्वीकृत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के वाणिज्य संकाय की प्रो. प्रीति रानी तथा डॉ. अंशिका बंसल का शोध प्रस्ताव मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत स्वीकृत किया गया है। यह योजना उत्तराखंड राज्य की सरकार द्वारा उच्च शिक्षा में अनुसंधान के क्षेत्र को बढ़ावा देने, शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु किया गया प्रयास है। सरकार द्वारा उच्च शिक्षा में प्रथम बार इस तरह की योजना को प्रारंभ किया गया है। प्रोफेसर प्रीति रानी एवं डॉ. अंशिका बंसल द्वारा मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। शोध विशेषज्ञों के निर्णायक मंडल ने तीन चरणों के सम्यक मूल्यांकन के बाद प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की तथा इस हेतु लगभग 8 लाख रुपए की धनराशि भी स्वीकृत की है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. जानकी पंवार ने प्रोफेसर प्रीति रानी एवं डॉ. अंशिका बंसल के शोध को मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत स्वीकृत होने पर बधाई दी। प्रो. प्रीति रानी एवं डॉ. अंशिका बंसल ने बताया कि इस शोध परियोजना के लिए उन्हें एक शोध सहायक की आवश्यकता है। महाविद्यालय में अध्यनरत जो भी छात्र इसमें रुचि रखते हो वह अविलंब आकर प्रो. प्रीति रानी एवं डॉ. अंशिका बंसल से वाणिज्य विभाग में संपर्क कर सकते हैं।

बच्चों को अवश्य पिलाएं पोलियों की खुराक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रोटरी क्लब कोटद्वार व बेस चिकित्सालय कोटद्वार के तत्वावधान में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए स्कूली बच्चों की लकड़ी पड़ाव में पल्स पोलियो जागरूकता रैली निकाली गयी, जिसमें जनता से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने की अपील की गई।

गाड़ीघाट स्थित जेपी इंटर कॉलेज में आयोजित उक्त रैली का शुभारंभ रोटरी क्लब के अध्यक्ष कुलदीप अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने पोलियो खुराक पिलाने की अपील की। रैली झुलाबस्ती, स्टेडियम, लकड़ी पड़ाव, प्रजापतिनगर, काशीरामपुर तल्ला होते हुए वापस जेपी इण्टर कॉलेज में समाप्त हुई। इस अवसर पर वाईपी गिलरा ने अपने विचार वक्त किए। रैली में नगर पालिका प्राथमिक विद्यालय व जेपी इण्टर कॉलेज के लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को बिस्कुट भी वितरित किए गए। इस अवसर पर अध्यक्ष कुलदीप अग्रवाल, सचिव प्रतिभा गुप्ता, पल्स पोलियो प्रभारी गोपाल बंसल, वाईपी गिलरा, विजय कुमार माहेश्वरी, डीपी सिंह, सुभाष बहुगुणा, मुन्नी रावत, केसी कुकरेती, विवेक कुकरेती, पूनम नेगी, चन्द्रमोहन सिंह नेगी, सुषमा गौड़ आदि मौजूद रहे।

गुलदार की धमक, घरों में कैद हुए ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रिखणीखाल ब्लाक के अंतर्गत देवियोंखाल बाजार सहित असपास के क्षेत्र में पिछले कई माह से गुलदार की धमक बनी हुई है। दिन दोपहर गांव के आसपास धमक रहे गुलदार से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है। देवियोंखाल बाजार के साथ ही सूस्यारी, मैंदणी, डाबरी बल्ली, पल्ली, गुठेर्ता व कोट गांव में गुलदार की धमक बनी हुई है। सामाजिक कार्यकर्त्ता मनमोहन सिंह बिष्ट ने बताया कि गुलदार की धमक से ग्रामीणों का घरों बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। महिलाएं मवेशियों के लिए चारा-पत्ती लेने जंगल भी नहीं जा पा रही हैं। सबसे अधिक खतरा बुजुर्ग व बच्चों को बना हुआ है। स्कूल जाने वाले बच्चों के सिर में लगातार गुलदार का खतरा मंडरा रहा है। क्षेत्र में पूर्व में हुई घटनाओं के बाद वन विभाग समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। नतीजा शाम ढलते ही प्रभावित ग्राम सभाओं में सन्नाटा छा जाता है। ग्रामीणों ने जल्द समस्या का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी है। कहा कि ग्रामीणों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शतप्रतिशत मतदान को लेकर जिला प्रशासन गंभीर

मतदान की शपथ लेते हुए कर्मचारी।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत जनपद के समस्त विकासखंड़ों में मतदाताओं को मतदान के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। साथ ही गांव से बाहर रह रहे मतदाताओं से संपर्क कर उन्हें अपने ही गांव में मतदान करने की अपील भी की जा रही है।

आगामी लोकसभा चुनाव में शतप्रतिशत मतदान हो इसके लिए शहर, गांवों सहित अन्य स्थानों में मतदाताओं को मतदान के लिए शपथ दिलाई जा रही हैं। वहीं स्कूली बच्चों द्वारा रंगोली, मेहंदी, पोस्टर, नुक्कड़ नाटक सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। निर्वाचन विभाग के अलावा समस्त खंड विकास अधिकारी, बाल विकास विभाग, नेहरू युवा केंद्र, सहकारिता विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा मतदाताओं को मतदान करने के लिए हर दिन शपथ कार्यक्रम व अपील भी की जा रही है। मतदाता को बिना किसी के दबाव, भेदभाव, जाति, क्षेत्रवाद जैसे मामलों से दूर रहते हुए निष्पक्ष रूप से अपना मत का प्रयोग कर एक अच्छा प्रत्याशी को चुने। कार्यक्रम के तहत विकासखंड कोट के ककरोडा गांव में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, जयहरीखाल के देवडली गांव, कोटद्वार के पदमपुर मोटाढ़ाक, कल्जीखाल के मुंडेश्वर, पाबौ के विभिन्न गांवों सहित अन्य विकासखंड़ों में मतदाताओं को मतदान की शपथ दिलाई गई।

दोषियों को सजा मिलने तक जारी रहेगा धरना

श्रीनगर गढ़वाल : दिवंगत अंकिता भंडारी हत्याकांड में दोषियों को सजा दिलाने की मांग पर श्रीनगर में बारिश होने के बावजूद धरना शनिवार को पांचवे दिन जारी रहा।

नगर निगम चौराहा पीपलचौरी में अंकिता के परिजन व स्थानीय लोगों ने धरना देते हुए अंकिता को न्याय दिलाने की बात कही। धरना स्थल पर मौजूद न्याय की गुहार लगा रहे परिजनों के साथ स्थानीय लोगों ने कहा कि पहाड़ की बेटी अंकिता को न्याय तभी मिलेगा जब दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी। धरने पर बैठी अंकिता की मां सोनी भंडारी ने कहा कि वीआईपी का नाम उजागर न कर सरकार मामले को दबाने का प्रयास कर रही है। कहा कि दोषियों को जब तक सजा नहीं मिलती तब तक धरना जारी रहेगा। इस मौके पर सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग, गढ़वाल विवि के छात्र-छात्राएं सहित आमजन आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

नुक्कड़ नाटक से दिया नशे से दूर रहने का संदेश

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में आयोजित की गई कार्यशाला

आयोजित कार्यशाला में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में आईक्यूएसी के तहत एंटी ड्रग क्लब की ओर से नशा मुक्त देवभूमि विषय पर नुक्कड नाटक का मंचन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने समाज को नशे से दूर रहने का संदेश दिया।

नाटक का मुख्य पात्र छात्र अंकित सिंह जिसने नशे में डूबे हुए एक युवक का किरदार बखूबी निभाया है। छात्रा श्रृष्टि जुयाल ने मां के किरदार में उपस्थित दर्शकों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। छात्र आभास और आकाश ने गिटार एवम ढोलक पर मधुर संगीत बजाकर नुक्कड़ नाटक में चार चांद लगा दिए। हिमांशु रावत ने नशे की वजह से अपने बेटे को खोने के गम वाले किरदार को शानदार ढंग से निभाया। अन्य किरदारों में अमन, माही बंसल, प्रियांशु नाथ, परीक्षित, आशु चौहान ने भी दमदार अभिनय से वाहवाही लूटी। छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति पर प्राचार्य प्रो. जानकी पंवार द्वारा नुक्कड़ नाटक मंचन के सभी कलाकारों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय स्तर पर लगातार नशा मुक्ति देवभूमि थीम पर विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं, जिसमें रैली नुक्कड़ नाटक गोष्ठी आदि कार्यक्रम प्रमुख है। इस अवसर पर प्रो. आदेश कुमार, डॉ. प्रवीण जोशी, डॉ. शोभा रावत, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. डीएस चौहान, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. सोमेश ढौंडियाल, डॉ. चंद्र प्रभा कंडवाल आदि मौजूद रहे।

मालन पुल मरम्मत कार्य का हुआ शिलान्यास, 26 करोड़ 75 लाख से बनेगा

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने शनिवार को किया भूमि पूजन

कोटद्वार में मालन पुल मरम्मत का भूमि पूजन करती विस अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: 13 जुलाई को धराशायी हुए मालन नदी पुल के मरम्मत कार्य का शनिवार को शिलान्यास हो गया है। पुल मरम्मत में करीब 26 करोड़ 75 लाख रुपये खर्च होंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को जल्द ही मरम्मत कार्य करने के भी निर्देश दिए। मालूम हो कि जुलाई माह में वर्षाकाल के दौरान मालन नदी पर बना पुल धराशायी हो गया था। इसके बाद कोटद्वार व भाबर क्षेत्र की जनता को आवाजाही में काफी परेशानी हो रही थी। लोक निर्माण विभाग की ओर से नदी के बीच से वैकल्पिक मार्ग तैयार किया गया था। लेकिन, नदी में पानी बढ़ने के बाद वैकल्पिक मार्ग पर आवागमन करना भी मुश्किल हो जाता है। क्षेत्रवासी लगातार पुल मरम्मत की मांग उठा रहे थे। शनिवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने पुल मरम्मत कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह हम सबकी मेहनत है और हमारी सरकार के संस्कार है की जो आज इस पुल के लिए इतना पैसा स्वीकृत हुआ है। कहा कि भले ही पुल मरम्मत कार्य को धरातल पर उतारने में देर हुई हो। लेकिन, जल्द ही मरम्मत कार्य को पूर्ण किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि हम आने वाले तीन दिनों में 100 करोड़ से ज्यादा का शिलान्यास, भूमि पूजन व लोकार्पण कर रहे हैं, जिसमें लालपानी में पुलिया, रोडवेज बस अड्डे का भूमि पूजन, नल कूप इत्यादि कार्यक्रम शामिल हैं। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र रावत, जगमोहन सिंह रावत, मंडी समिति अध्यक्ष सुमन कोटनाला, मनोज पांथरी, हरि सिंह पुंडीर, पंकज भाटिया, मनीष भट्ट, राज गौरव नौटियाल, सुनीता कोटनाला, मीनू डोबरियाल, कमल नेगी, जयदीप नौटियाल, सौरभ नौटियाल, दीपक लखेड़ा, अनीता आर्य आदि मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी हरिद्वार से गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नाबालिग युवती को अपने जाल में फंसाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया है। मामला पैठाणी थानाक्षेत्र का है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे ने बताया कि बीती 22 फरवरी को पैठाणी थाने में एक स्थानीय निवासी ने तहरीर दी कि एक युवक उनकी नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया है। जिस पर पोक्सो सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। आरोपी को रोशनाबाद हरिद्वार से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। पुलिस टीम में महिला उपनिरीक्षक दीपिका बिष्ट, अपर उपनिरीक्षक आनंद खरोला, मुख्य आरक्षी कमल शामिल थे।

सतपुली की समस्याएं हल करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नगर पंचायत सतपुली के प्रांतीय व्यापार मंडल प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से वार्ता करते हुए विभिन्न समस्याएं हल करने की मांग की। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने डीएम से सतपुली बाजार में शौचालय निर्माण करने, आधार केंद्र, आर्थिक रूप से कमजोर गरीब असहायों के लिए धर्मशाला निर्माण करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में व्यापार मंडल अध्यक्ष जयदीप नेगी, महामंत्री धीरेंद्र नेगी, कोषाध्यक्ष सुनील डंडरियाल आदि मौजूद थे।

आज 3188 बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

जयन्त प्रतिनिधि।रूद्रप्रयाग : मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसीएच मर्तोलिया ने जनपदवासियों से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने शून्य से 05 आयु वर्ग के हर बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाने की अपील अभिभावकों से की। जनपद में शून्य से 05 आयु वर्ग के 3188 बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने का लक्ष्य है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसीएच मर्तोलिया ने बताया कि जनपद में 298 पोलियो बूथों के माध्यम से 54802 घरों के कुल 3188 बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई जानी है। बताया कि पोलियो अभियान की सफलता हेतु 1192 वैक्सीनेटर व 119 पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। उन्होंने पोलियो दिवस के सफल आयोजन हेतु शिक्षा विभाग, बाल विकास विभाग, विद्युत विभाग, पुलिस विभाग से सहयोग की अपील की है। उन्होंने अभियान की सफलता के लिए आगंनबाडी कार्यकत्रियों, आशा कार्यकत्रियों व एएनएम के माध्यम से शून्य से 05 आयु वर्ग के सभी बच्चों को बूथ तक पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बीकेटीसी कार्मिकों को पहचान पत्र और वर्दी पहनना जरूरी

चमोली : बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने समिति कर्मचारियों को कर्मचारी आचरण सेवा नियमावली के अनुपालन के निर्देश दिये हैं। आगामी यात्राकाल में कार्मिकों को पहचान पत्र और वर्दी पहनना आवश्यक होगा। समिति के निर्णय के बाद बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी योगेंद्र सिंह ने आदेश जारी कर दिये है। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया मन्दिर कार्मिकों द्वारा दर्शन हेतु आने वाले वीआईपी, वीवीआईपी के साथ फोटों खिंचवाने और माल्यार्पण करने, अंगवस्त्र पहनाये जाने के कार्य किये जा रहे हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com

उत्कृष्ट शोध पत्र वाचन के लिए सात छात्रों को नवाजा

नई टिहरी : केंद्रीय संस्कृत विवि श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में श्रीरामायणज्ञानसत्रम् विषयक तीन दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में विभिन्न संस्थानों से आए छात्र-छात्राओं ने सौ शोध पत्र पढ़े। उत्कृष्ट शोध-पत्र वाचन के लिए सात छात्र-छात्राओं को नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में आयोजित सेमिनार की मुख्य अतिथि उत्तराखंड संस्कृत विवि आचार्य डॉ. कंचन तिवारी ने कहा कि रामायण से हमें परिवार और समाज में कर्तव्यों के उचित निर्वाह की प्रेरणा मिलती है।

अयोध्या राज्य का शासन श्रेष्ठ और आदर्श शासन व्यवस्था का उत्कृष्ट उदाहरण है। साहित्य विभाग की संयोजिका प्रो. चंद्रकला आरकोंडी, डॉ. शैलेंद्र प्रसाद उनियाल, डॉ. शैलेंद्र नारायण कोटियाल, डॉ. अनिल कुमार ने रामायण की महत्ता को वर्णित किया। संगोष्ठी में संस्कृत के 76, हिंदी के 19 व अंग्रेजी के 5 शोध पत्र पढ़े गये। प्रतिभागियों में श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, बीवीजे संस्कृत महाविद्यालय, दून वैली कॉलेज, डीएवी कॉलेज कानपुर, पतंजलि गुरुकुल मुल्या गांव के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

ऑफ लाइन मोड से प्राक्शास्त्री स्तर से अंकुश सिन्हा, शास्त्री से मोनिका नौगाईं व आचार्य से नितिन पाटीदार को पुरस्कार के लिए चुना गया। जबकि ऑनलाइन मोड प्राक्शास्त्री से ब्रह्मचारिणी अंकिता, शास्त्री से विवेकानंद एचवी तथा आचार्य से संजीव कुमार साहू व शिक्षा शास्त्री स्तर से गार्गी आर्या को पुरस्कार के लिए चुना गया। सभी को एक हजार रुपये का नगद पुरस्कार दिया गया। निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम ने छात्रों से वाल्मीकि रामायण से संबंधित प्रश्न भी पूछे।

कहा कि, रामायण का हर चरित्र हमें कुछ न कुछ संदेश देता है। सभी छात्रों को इस ग्रंथ का गहन अध्ययन और विश्लेषण करना चाहिए। इस मौके पर डॉ. शैलेंद्र नारायण कोटियाल, डॉ. सुशील बडोनी, डॉ. ब्रह्मानंद मिश्र, डॉ. वीरेंद्र सिंह बर्त्वाल, डॉ. अरविंद सिंह गौर, डॉ. श्रीओम शर्मा, पंकज कोटियाल, डॉ. सुरेश शर्मा, जनार्दन सुवेदी, डॉ. अमंद मिश्र, डॉ. सूर्यमणि भंडारी, डॉ. मनीषा आर्या, डॉ. धनेश, डॉ. रश्मिता आदि उपस्थित रहे। (एजेंसी)

स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिकी मजबूत करें युवा

जयन्त प्रतिनिधि।

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

कोटद्वार : राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी कोटद्वार में देवभूमि उद्यमिता केंद्र में 12 दिवसीय ईडीपी कार्यशाला का आयोजन किया गया। द्वितीय दिवस में विशेषज्ञों ने युवाओं को स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र का शुभारंभ नोडल अधिकारी डॉ. विनय देवलाल व डॉ. नवनीत रावत द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। नोडल अधिकारी देव भूमि उद्यमिता केंद्र डॉ. विनय देवलाल ने विषय विशेषज्ञ का स्वागत पौधा भेट कर किया। तत्पश्चात कार्यक्रम की रूपरेखा छात्र-छात्रा प्रतिभागियों के मध्य प्रस्तुत की।

प्रथम सत्र में बतौर प्रशिक्षक डॉ. नवनीत रावत द्वारा उद्यमिता विकास हेतु बिजनेस इनवायरमेंट में इंटरनल माइक्रो वा मैक्रो, इंटरनल वर्सेज एक्सटर्नल, आउटसाइड इन अप्रोच को अपनाने को कहा। उन्होंने पेस्टल एनालिसिस द्वारा माइक्रो इनवायरमेंट को समझाया। प्रोडक्ट प्रमोशन राइट प्राइस राइट प्लेस को सिवा मॉडल से विस्तार पूर्वक समझाकर डॉ नवनीत रावत ने उत्कृष्ट उद्यमिता मॉडल कैसे तैयार करना है की जानकारी दी। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में नोडल अधिकारी डॉ. विनय देवलाल ने उद्यमिता विकास में उपयोगी केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न एजेंसियों की स्कीम तथा भूमिका की जानकारी दी।

डॉ. देवलाल केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न एजेंसियों के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए जिला स्तर पर डीआईसी की विभिन्न स्तरों भूमिका को समझाया। कहा कि यह न केवल राशि ही उपलब्ध करवाती है बल्कि भूमि प्रबंधन, ऋण व लोन देना उद्यमियों को परामर्श आदि विभिन्न सेवाएं प्रदान करना एवं प्रतिभागियों की रोजगार क्षमता बढ़ाना हैं। कार्यक्रम के तृतीय सत्र में डॉ. उषा सिंह ने उधम की स्थापना हेतु आवश्यकताओं को विस्तार पूर्वक समझाया। चतुर्थ सत्र में नोडल अधिकारी डॉ. विनय देवलाल ने प्रतिभागियों से व्यवसायिक अवसरों की पहचान, भौगोलिक सामाजिक व बाजार की आवश्यकता के आधार पर करने संबंधित जानकारियां दीं। समस्त कार्यक्रम का संचालन मनीषा सरवलिया द्वारा किया गया।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
अनुरक्षण खण्ड उत्तराखण्ड जल संस्थान पौड़ी।
नेगी भवन, समीप पुलिस लाईन गेट कन्डोलिया रोड पौड़ी गढ़वाल
E-mail:eepauri-ujs-uk@nic.in, ujs_eepauri@gmail.com
Ph No:-+91-1368-222015
Fax No :-+91-1368-222015

पत्रांक 3093 / निविदा / 266 2023-24 दिनांक 2 मार्च, 2024

//अल्पकालीन निविदा सूचना //

मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान देहरादून की ओर से जनपद पौड़ी की पौड़ी शाखा के अन्तर्गत डिपोजिट मद में निम्नलिखित पेयजल योजना के सुदढीकरण कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है निविदा प्रपत्र दिनाक 11.03.2024 को सांय 3.00 बजे तक शाखा कार्यालय में क्रय की जा सकती है, निविदायें दिनांक 12.03.2024 की सांय 3.00 बजे तक निविदा बॉक्स में डाली जा सकती है, जो कि उसी दिन 3.30 बजे निविदा समिति अथवा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेगी। अवकाश की स्थिति में अगला कार्य दिवस मान्य होगा।

क्र0 सं0	विवरण	धरोहर राशि	निविदा मूल्य जी0एस0टी0 सहित	ठेकेदार की श्रेणी
1	रांसी स्टेडियम पौड़ी में जल संयोजन हेतु	11950.00	1000+जी0एस0टी0	''डी'' एवं उच्च

शर्तें:-
1. प्रत्येक निविदा के साथ रू 100 का स्टाम्प पेपर संलग्न किया जाना आवश्यक है।
2. प्रत्येक निविदा के साथ जमानत राशि सी0डी0आर0/एफ0डी0आर0 पृथक-पृथक से अधिशासी अभियन्ता उत्तराखण्ड जल संस्थान पौड़ी के नाम से बन्धक के रूप में निविदा के साथ सलंग्न की जानी आवश्यक है।
3. एक अथवा समस्त प्राप्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4. अन्य शर्ते निविदा प्रपत्र में अनुरूप होगी।

(शिव कुमार राय)
अधिशासी अभियन्ता

रेल, रोड, रोपवे और एयर कनेक्टिविटी से सशक्त व समृद्ध हो रहा है उत्तराखण्ड

"अन्तिम पंक्ति के लोगों तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 2025 तक उत्तराखण्ड को हर क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किए जाएंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत शक्तिशाली, गौरवशाली बनते हुए विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। उत्तराखण्ड में चारधाम सड़क परियोजना, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन, केदारनाथ पुनर्निर्माण समेत कई ऐतिहासिक काम प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में चल रहे हैं।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"मैं पिछले कुछ वर्षों में हुई उल्लेखनीय प्रगति के लिए उत्तराखण्ड सरकार को बधाई देता हूँ। यह निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन और पर्यटन व नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने से संभव हुआ है। मुझे खुशी है कि राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है और सतत विकास के लिए नए मानक स्थापित किए हैं। अपने प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और पर्यटन को बढ़ावा देने की उत्तराखण्ड की प्रतिबद्धता ने न केवल अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है, बल्कि वैश्विक मंच पर इसकी क्षमता को भी प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के प्रति राज्य के समर्पण की सराहना करता हूँ और आने वाले वर्षों में इसकी निरंतर सफलता की आशा करता हूँ।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

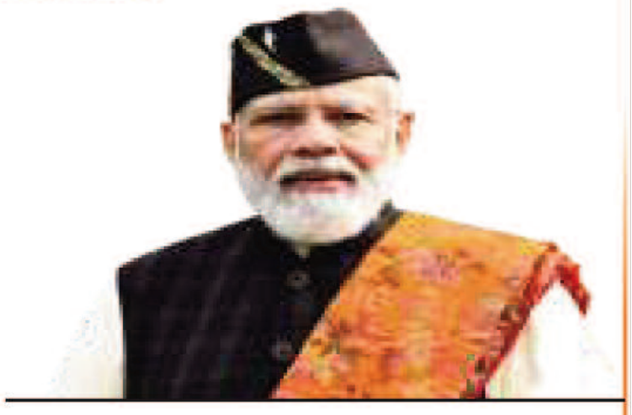

चारधाम राजमार्गः बेहतर कनेक्टिविटी, बेहतरीन तीर्थयात्रा

चारधाम ऑल वेदर रोड परियोजना देवभूमि उत्तराखण्ड की प्रगति को नई गति देने के लिए तैयार हो रही है। यह राजमार्ग विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम तक साल भर तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की पहुंच सुनिश्चित करती है। अपनी तीर्थाटन और पर्यटन कनेक्टिविटी बेहतर बनाने की दिशा में यह उत्तराखण्ड का शानदार कदम है। चारधाम यानी यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम लाखों भक्तों की अटूट आस्था और विश्वास के केद्र हैं। इस महत्वाकांक्षी चारधाम राजमार्ग परियोजना का लक्ष्य प्रदेश के बुनियादी ढांचे में सुधार, इन चारों पवित्र स्थलों तक हर मौसम पहुंच, पर्यटन, व्यापार, रोजगार, निवेश और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। साथ ही पर्यावरण का संतुलन सदा बनाए रखना है। इस परियोजना का निर्माण रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) द्वारा किया जा रहा है।

चारधाम यात्रा भारत की सबसे प्राचीन तीर्थयात्रा सर्किट है, जो दिव्य हिमालय की भव्य गोद में बसा है। प्राकृतिक सुंदरता से सुसज्जित ये चारों धाम आध्यात्मिक शांति की खोज करने वाले लाखों तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। भौगोलिक दृष्टि से चारधाम की यात्रा बहुत कठिन मानी जाती है। पर्वतीय और चट्टानी क्षेत्र होने की वजह से हर मौसम यात्रा करना संभव नहीं है। भारी बारिश, भूस्खलन और बर्फबारी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण अक्सर बाधाएं आती रहती हैं। इससे यात्रियों और पर्यटकों की पहुंच सीमित और सुरक्षा को खतरा रहता है। यात्रियों, पर्यटकों, व्यापारियों, स्थानीय लोगों और क्षेत्रवासियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड सरकार द्वारा चारधाम ऑल वेदर रोड परियोजना का निर्माण कराया जा रहा है। चारधाम राजमार्ग परियोजना के तहत मौजूदा सड़कों को चौड़ा करते हुए मजबूत नेटवर्क से सशक्त किया जा रहा है। इससे यात्रियों को हर मौसम में निर्बाध और सुरक्षित तीर्थयात्रा का अनुभव मिलेगा। चारधाम राजमार्ग मुख्य रूप से प्रत्येक पवित्र तीर्थस्थल के रास्ते में आने वाले प्रमुख शहरों को जोड़ता है, जिससे एक मजबूत नेटवर्क बनता है, जो कुशल परिवहन की सुविधा प्रदान करता है। यमुनोत्री, गंगोत्री, गुप्तकाशी (केदारनाथ के लिए) और जोशीमठ (बद्रीनाथ के लिए) शहर इसके प्रमुख मार्ग हैं। यह राजमार्ग तीर्थयात्रियों के लिए आराम करने, ईंधन भरने और आपूर्ति इकट्ठा करने जैसी अन्य गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण बिंदु के रूप में कार्य करता है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास का विशेष प्रयास

चारधाम राजमार्ग परियोजना में लगभग 900 किमी सड़क का विस्तार और आधुनिकीकरण का कार्य शामिल है। साथ ही क्षेत्र की चुनौतीपूर्ण भोगोलिक स्थितियों और जलवायु विविधताओं का सामना करने के लिए अत्याधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों को शामिल किया गया है। कई चुनौतियों का सामना करते हुए सड़कों का चौड़ीकरण, सुरंगों का निर्माण और रिटेनिंग दीवारों की स्थापना इंजीनियरिंग का अद्भुत चमत्कार है, जिनका उपयोग राजमार्ग की स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।

अब तक 70% से अधिक कार्य पूरा हो चुका है और लगभग 224 किमी का निर्माण कार्य प्रगति पर है। चंबा और ऋषिकेश को जोड़ने वाली चंबा सुरंग का निर्माण परियोजना की उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है, जो यात्रा का समय कम करता है और तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराता है। इसके अलावा पूर्व-निर्मित पुलों की स्थापना और भूस्खलन-संभावित क्षेत्रों का निरंतर सुधार समग्र विकास में साथ निभाने का वादा करता है। इसी तरह प्रस्तावित रेलवे मार्ग का लक्ष्य उत्तराखण्ड के पांच जिलों यानी देहरादून, टिहरी गढ़वाल, पौरी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और चमोली जैसे महत्वपूर्ण शहरों के साथ-साथ देवप्रयाग, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, गौचर और कर्णप्रयाग को जोड़ना है।

मार्च, 2020 से मौजूदा वीरभद्र स्टेशन और योग नगरी ऋषिकेश स्टेशन (पीके-1ए) के बीच का प्रथम ब्लॉक यानी प्रारंभिक 5.7 किमी सेक्शन यात्रियों की सेवा में समर्पित है। योग नगरी ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसे दिसंबर, 2024 तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है। परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए सुरंग निर्माण के कार्यों को दस पैकेज में बांटकर आवंटित कर दिया गया है। योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन को समकालीन, टिकाऊ और प्राकृतिक रोशनी का उपयोग करने वाली सुविधाओं के अनुरूप डिजाइन किया गया है, जो प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा देते हैं।

हर मौसम होगी कनेक्टिविटी बेहतर

चारधाम यात्रा स्थलों की भौगोलिक स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण है, जहां मानसून के दौरान भारी बर्फबारी और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं आना आम बात है। चारधाम राजमार्ग परियोजना न होने से पहले इन चुनौतियों की वजह से अक्सर सड़कें बंद हो जाया करतीं, जिससे तीर्थयात्रियों की यात्रा बाधित होती और उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ता। इस राजमार्ग का मुख्य उद्देश्य चारों धामों के पवित्र स्थलों तक हर मौसम बेहतर और सुरक्षित कनेक्टिविटी प्रदान करना है। इसमें उन सड़कों का निर्माण भी शामिल हैं, जो प्रतिकूल मौसम का सामना करने में सक्षम हों। साथ ही यह भी सुनिश्चित कर सके कि तीर्थयात्रियों के पास पूरे वर्ष अपने गंतव्यों तक पहुंचने के लिए विश्वसनीय और सुरक्षित साधन हो। मौसम निगरानी प्रणाली और रियल-टाइम रोड कंडीशन अपडेट जैसी अत्याधुनिक तकनीक तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को और बढ़ाती है।

पर्वतों की गोद में प्रगति और समृद्धि का रास्ता ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना उत्तराखण्ड के विकास में नई जीवनरेखा की तरह साथ निभाएगी, क्योंकि यह इस क्षेत्र के भीतर से गुजरने वाली पहली नई रेल लाइन है।

उत्तराखण्ड में प्रस्तावित ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन सुदूर क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी पहुंचाने की दिशा में राज्य सरकार की सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से एक है। हिमालय की तलहटी में बसे उत्तराखण्ड के इस हिस्से को पहाड़ी इलाका होने के कारण बेहतर परिवहन के लिए हमेशा चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना की शुरुआत स्थानीय निवासियों और क्षेत्रवासियों के जीवन में बड़ा बदलाव लाएगी। पर्यटन, व्यवसाय, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी। यह परियोजना ऋषिकेश और कर्णप्रयाग की प्रगति और समृद्धि में जीवनरेखा की तरह साथ निभाएगी।

समृद्धि और खुशहाली की नई जीवनरेखा

ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेलवे लाइन बिछाने का मकसद देवभूमि उत्तराखण्ड के विकास को निरंतर बढ़ावा देना है। देवभूमि का यह हिस्सा अपने प्राकृतिक, पौराणिक और आध्यात्मिक स्थलों तथा साहसिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है। पूरी तरह से पहाड़ी क्षेत्र होने की वजह से यहां के क्षेत्रवासियों को अक्सर मौसम के कहर का सामना करना पड़ता है। इससे कनेक्टिविटी की समस्या पैदा होती है और परिवहन पूरी तरह से प्रभावित होता है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना कई शहरों को एक साथ कवर करती है। इसके निर्माण से परिवहन की समस्या समाप्त हो जाएगी, क्योंकि लोगों को यातायात का सबसे बेहतरीन, किफायती, सुरक्षित और तेज साधन मिलने जा रहा है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना का लक्ष्य उत्तराखण्ड के पांच जिलों को जोड़ना है, जिसमें देहरादून, टिहरी गढ़वाल, पौरी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और चमोली को जोड़ते हुए देवप्रयाग, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, गौचर और कर्णप्रयाग जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ना शामिल है। इन शहरों का चयन यह दर्शाता है कि प्रस्तावित रेल लाइन धार्मिक और आर्थिक दोनों हितों को बढ़ावा देती है, तीर्थयात्रियों की पहुंच आसान बनाती है और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देती है।

प्रगति पथ पर निरंतर अग्रसर

16,216 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बनने वाली ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना का निर्माण कार्य समय पर पूरा करने के लिए रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) समर्पित है। इस परियोजना को विभिन्न चरणों में पूरा करने का प्रस्ताव है। मार्च, 2020 में मौजूदा वीरभद्र स्टेशन और योग नगरी ऋषिकेश स्टेशन (पीके-1ए) के बीच प्रथम ब्लॉक यानी प्रारंभिक 5.7 किमी सेक्शन शुरु करने के साथ आरवीएनएल ने ऐतिहासिक उपलब्धि का पहला पड़ाव सफलतापूर्वक अपने नाम किया था। यह सेक्शन प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए प्रमुख रेल लाइन के रूप में कार्य करता है।

निर्माण के अगले चरण में योग नगरी ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेल लाइन का कार्य पूरा किया जाएगा। परियोजना की निर्धारित समय-सीमा के अनुसार इस सेक्शन को दिसंबर, 2024 तक शुरु करने की योजना है। चरणबद्ध तरीके से किया जाने वाला कार्य बेहतर और सुरक्षित योजना तैयार करने, ठोस और मजबूत निर्माण करने तथा नई-नई तकनीक उपयोग में लाने की अनुमति देता है। इस क्षेत्र का भूभाग काफी चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में इंजीनियरिंग चुनौतियों पर काबू पाने के लिए चरणबद्ध निर्माण मजबूत निर्माण में योगदान देगा।

इंजीनियरिंग का चमत्कार: नई चुनौती हमारी पहचान

उत्तराखण्ड की भौगोलिक संरचना बेहद चुनौतीपूर्ण है। ऊंचे-ऊंचे पर्वतों, नदियों और वनों के बीच रास्ता तैयार करना इंजीनियरिंग का चमत्कार कहा जा सकता है। प्रदेश सरकार इस तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन के कार्य को निर्धारित समय पर पूरा करने के लिए कटिबद्ध है। इस परियोजना के तहत सुरंग निर्माण के कार्य को वरीयता के रूप में शामिल किया गया है। सुरंग निर्माण कार्यों की कुल लंबाई की बात की जाए तो यह काफी दूरी तक फैली हुई है और इसे प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए कार्यों को दस पैकेज में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक कार्य को निष्पादन के लिए आवंटित कर दिया गया है। सुरंग बनाना सबसे चुनौती भरा कार्य है। सुरंग का निर्माण करते समय सुरक्षा मानकों का बड़ी बारीकी से ख्याल रखना पड़ता है। टनलिंग के कार्यों को अलग-अलग पैकेज में बांटने से हर सेक्शन के कार्य को बड़ी बारीकी से करने की सुविधा मिलती है तथा अलग-अलग भौगोलिक स्थितियों द्वारा उत्पन्न होने वाली अनदेखी चुनौतियों से निपटने का उचित समाधान मिलता है। यह कदम पर्यावरण और निर्माण कार्य करने वालों की सुरक्षा पुख्ता करने में मदद करता है तथा सुरंग निर्माण में इस्तेमाल होने वाली नई-नई तकनीकी उपयोगों को बढ़ावा देता है।

पर्यटन के साथ आर्थिक विकास को बढ़ावा

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन देवभूमि उत्तराखण्ड के आर्थिक और सामाजिक विकास में विशेष भूमिका निभाएगी। यह परियोजना पर्यटन की बढ़ोतरी के साथ क्षेत्रीय निवासियों को आर्थिक रुप से सशक्त बनाएगी। बेहतर कनेक्टिविटी से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होती है, जिसका सीधा लाभ स्थानीय व्यवसायों, आतिथ्य सेवाओं और परिवहन क्षेत्रों को मिलता है। रेल लाइन तीर्थाटन को बढ़ावा देने के साथ आर्थिक विकास में खास भूमिका निभाती है। रेल पर्यटकों को नए-नए स्थानों तक आसानी से पहुंचने में मदद करती है और प्रकृति की अलौकिक सुंदरता निहारने तथा अनदेखी संस्कृति के अनुभव के लिए प्रोत्साहित करती है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन से देवप्रयाग, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, गौचर और कर्णप्रयाग शहर जुड़े हुए हैं, जो अपने विभिन्न पर्यटक स्थलों, ट्रैकिंग मार्गों और साहसिक गतिविधियों के केंद्र एवं प्रवेश द्वार के रूप में काम करते हैं। रेल लाइन की सुविधा से पर्यटकों की पहुंच आसान होगी, जिससे उत्तराखण्ड में पर्यटन उद्योग का विकास तेज होगा। क्षेत्रीय निवासियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे एवं आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक विकास की गति बढ़ेगी।

एयर कनेक्टिविटी से उत्तराखण्ड की तेज उड़ान

उत्तराखण्ड में निरंतर बेहतर होती और बढ़ती हवाई सेवाएं प्रदेश की प्रगति को नई ऊंचाई देंगी। इसी क्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में उत्तराखण्ड मंत्रिमंडल द्वारा पंतनगर एयरपोर्ट की विस्तार योजना को हरी झंडी मिल चुकी है। इस मंजूरी के तहत पंतनगर हवाईअड्डे को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विकसित किया जाएगा। वर्तमान में इस एयरपोर्ट का रनवे कुल 1,372 मीटर लंबा है। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए मौजूदा रनवे को 3,000 मीटर लंबा बनाया जाना प्रस्तावित है, जो बड़े विमानों को संभालने में सक्षम होगा। एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 804 एकड़ भूमि अधिग्रहण किया जाएगा, जिसमें विभिन्न सरकारी विभागों से संबंधित भूमि शामिल हैं। पंतनगर एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा ओएलएस सर्वे कर लिया गया है। इसके अलावा पंतनगर हवाईअड्डे के पास 3 किमी क्षेत्र में हवाईपट्टी के निर्माण की प्रारंभिक मंजूरी भारत सरकार द्वारा दी गई है। पंतनगर हवाईअड्डा उत्तराखण्ड की समृद्धि और कनेक्टिविटी का अभिन्न अंग है और ऐसे में एक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निर्माण प्रदेश की प्रगति की गति बढ़ाने में खास भूमिका निभाएगा। यह खासकर विदेशी पर्यटकों, निवेशकों और व्यापारियों की उत्तराखण्ड तक पहुंच आसान बनाएगा, जिससे आर्थिक विकास तेज होगा। पंतनगर हवाईअड्डा का विस्तार क्षेत्रीय उत्पादों खासकर अद्वितीय जड़ी- बूटियों, हस्तशिल्प और बागवानी जैसे उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देगा। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए-नए अवसर खोलेगा।

इसी तरह हाल ही में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पर नवनिर्मित टर्मिनल भवन फेज-2 का लोकार्पण किया गया। द्वितीय चरण में जॉलीग्रांट एयरपोर्ट के टर्मिनल का 14 हजार वर्ग मीटर विस्तार किया गया। अब एयटरपोर्ट के टर्मिनल का कुल विस्तार 42 हजार वर्ग मीटर में हो चुका है। जॉलीग्रांट एयरपोर्ट का टर्मिनल दो चरणों में 486 करोड़ रुपए की लागत से बना है, जिसके लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वर्तमान में भारतीय नागरिक उड्डयन उद्योग अमेरिका और चीन के बाद घरेलू यातायात में तीसरे स्थान पर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हवाई सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। पिछले कुछ वर्षों से हवाई यात्रा परिवहन का सस्ता, तेज एवं विश्वसनीय साधन होने के कारण लोगों में अत्यन्त लोकप्रिय बनी है। हमारी सरकार प्रदेश में नागरिक उड्डयन को बढ़ावा देने के लिए हर सम्भव प्रयास कर रही है और आगे भी करती रहेगी। हम उत्तराखण्ड को प्रत्येक क्षेत्र में देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

- *उत्तराखण्ड भारत का पहला राज्य, जहां उड़ान योजना में हेली सर्विस शुरू।*
- *जॉलीग्रांट एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय स्तर के रूप में विकसित।*
- *जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पर नवनिर्मित टर्मिनल भवन फेज-2 का लोकार्पण*
- *ऊधम सिंह नगर में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट विकसित करने की योजना।*
- *उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विभाग, रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के सफल संचालन के लिए वर्ष 2020 में मोस्ट प्रो-एक्टीव स्टेट से सम्मानित।*
- *उत्तराखण्ड में 2014 में मात्र एक हेलीपोर्ट था, जो अब 10 हो चुके हैं।*
- *उड़ान 5.0 योजना तक राज्य में 21 हेलीपोर्ट बनाने का लक्ष्य।*
- *देहरादून एयरपोर्ट से देश के 13 शहरों के लिए हवाई सेवाएं संचालित।*

हल्द्वानी से मुनस्यारी, पिथौरागढ़ व चम्पावत के लिए हेली सेवा का शुभारंभ

देवभूमि उत्तराखण्ड में मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ी जिलों तक हेली सेवा की मांग काफी लंबे समय से चल रही थी। इसे ध्यान में रखते हुए हाल ही में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर हल्द्वानी से 'उड़ान सेवा' की शुरुआत की। मुनस्यारी पिथौरागढ़ से हल्द्वानी पहुंचने में 12 घंटे का समय लगता है, लेकिन इस हेली सेवा से अब यह सफर मात्र डेढ़ घंटे में पूरा हो जाएगा। ऐसे में गंभीर रूप से बीमार लोगों को हल्द्वानी के अस्पतालों तक पहुंचने में काफी आसानी होगी। हेरिटेज एविएशन द्वारा हल्द्वानी से चलाई जा रही 'हेली सेवाओं' में हल्द्वानी से मुनस्यारी, हल्द्वानी से पिथौरागढ़ और हल्द्वानी से चम्पावत की सेवाएं शामिल हैं।

हल्द्वानी से मुनस्यारी, पिथौरागढ़ और चम्पावत के लिए क्षेत्रीय कनेक्टिविटी स्कीम के तहत हेली सेवा का शुभारंभ दूरस्थ क्षेत्रों को परस्पर जोड़ने और लोगों को आवागमन के लिए सुविधा प्रदान करने में सक्षम तो होगी ही, साथ ही आपात समय में राहत और बचाव कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक प्रभावी माध्यम भी साबित होगी। उड़ान से संबंधित बुकिंग नंबर और डिटेल जारी करने के साथ कंपनी द्वारा किराया भी निर्धारित किया गया है। हल्द्वानी के गौलापार स्थित हेलीपैड से प्रतिदिन दो उड़ानें 7 सीटर हेलीकॉप्टर के जरिए इन सभी स्थानों के लिए सेवाएं देंगी। इस हेली सेवा के शुरू होने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे पहाड़ों पर रहने वाले लोगों और पर्यटकों को काफी फायदा होगा। इस उड़ान सेवा से कुमाऊं के पर्यटन को विशेष बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा। हल्द्वानी के बाद अन्य जगहों से भी हेली सेवा शुरू की जाएगी। सीएम पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ी जिलों तक आवागमन में कोई परेशानी न हो, इसे लेकर राज्य सरकार आगे की रूपरेखा बना रही है। जल्द ही हेली सेवाएं उत्तराखण्ड के अलग-अलग शहरों से अन्य जगहों के लिए शुरू की जाएंगी।

दिल्ली से देहरादून की यात्रा 2.5 घंटे में तय

210 किमी लंबा, 6 से 12 लेन की विस्तार क्षमता और आधुनिक पहुंच-नियंत्रित बुनियादी ढांचे जैसी कई विशेषताओं से सुसज्जित दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे (एनएच 72ए) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा प्रबंधित एक्सप्रेस हाईवे परियोजना है, जिसका निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस परियोजना का शिलान्यास 26 फरवरी, 2021 को नितिन गडकरी द्वारा किया गया था और 4 दिसंबर, 2021 को प्रधानमंत्री द्वारा इस अधिनियम को दोहराया गया था। 210 किमी लम्बे इस एक्सप्रेसवे को 6 से 12 लेन के साथ डिजाइन किया गया है और पहुंच-नियंत्रित बुनियादी ढांचे की सुविधा से सुसज्जित है। इसका सबसे पहला उद्देश्य दिल्ली और देहरादून के बीच तेज कनेक्टिविटी स्थापित करना है। लगभग 13,000 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह एक्सप्रेसवे यात्रा की दूरी और समय दोनों काफी कम कर देगा। यह एक्सप्रेसवे दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड राज्यों से होकर गुजरेगा, जिससे बागपत, बड़ौत, शामली और सहारनपुर शहर की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। आसपास के शहरों के साथ कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए दो स्पर या लिंक रोड की योजना बनाई गई है। पहला है सहारनपुर-रुड़की-हरिद्वार एक्सप्रेसवे, जो छह लेन के साथ 50.7 किमी तक फैला है। दूसरा है अंबाला-शामली एक्सप्रेसवे, जो छह लेन के साथ 121 किमी की लंबाई को कवर करता है। पूरी परियोजना दिसंबर 2024 तक पूरी होने की उम्मीद है। यात्रियों का अनुमान है कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे दोनों शहरों के बीच की दूरी को काफी कम करके 210 किमी कर देगा, जिससे यात्रा लगभग 2.5-3 घंटे में तय की जा सकेगी। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे बनने के बाद नई दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी 235 किमी से घटकर 210 किमी हो जाएगी, जिससे यात्रा समय केवल 2.5-3 घंटे का हो जाएगा।

परियोजना की विशेषताएं
अनुमानित लागत: ₹ 13,000 करोड़
परियोजना की कुल लंबाई: 210 किमी
लेन: 12 लेन (चरण 1) और 6 लेन (चरण 2, 3 और 4)
समापन की समय सीमा: दिसंबर 2024
स्वामी: भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई)
प्रोजेक्ट मॉडल: ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण)
दूरी 235 किमी से घटाकर 210 किमी करना